हिन्दी दैनिक

राष्ट्र संवाद

आपका राष्ट्र, आपका संवाद

जमशेदपुर से प्रकाशित

मूल्य : दो रुपए

RNI No. : JHAHIN - 01092

rashtrasamvad.com

जमशेदपुर, शुक्रवार,10 अक्टूबर 2025

नगर संस्करण
वर्ष: 02,अंक:138

सुविचार

अपनों को संकट में डाल कर कार्य संपन्न करने वालों की विजय होती है कायरों कि नहीं ।
- जवाहर लाल नेहरू

2022 से पहले भ्रूण फ्रीज, तो सरोगेसी कानून से छूट

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- मां-बाप कौन बनेगा, यह सरकार तय नहीं कर सकती

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक याचिका पर फैसला सुनाते हुए कहा कि 2022 से पहले अगर महिला ने भ्रूण (फर्टिलाइज एग्स) फ्रीज करा दिया है तो उसे सरोगेसी कानून के तहत एज लिमिट से छूट मिल सकती है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस केवी विश्वनाथन ने सरकार की तरफ से बढ़ती उम्र को चिंता का कारण बताने पर फटकार भी लगाई। कोर्ट ने कहा- कौन

मां-बाप बन सकता है, ये सरकार तय नहीं कर सकती क्योंकि नेचुरल प्रोसेस में भी कोई एज लिमिट नहीं है। दरअसल, यह पूरा मामला सरोगेसी कानून 2021 से जुड़ा है, जो जनवरी 2022 में लागू हुआ था। कानून के मुताबिक, जिन पुरुष की आयु 26-55 साल और महिला की आयु 23-50 साल के बीच है, उन्हीं को सरोगेसी की परमिशन होगी। इस कानून के खिलाफ कई याचिकाएं लगाई गईं। मुख्य याचिकाकर्ता चेन्नई बेस्ड इन्फर्टिलिटी स्पेशलिस्ट डॉ अरुण मुथुवेल हैं, जिन्होंने कॉमर्शियल सरोगेसी पर बैन हटाने की भी मांग की थी। कोर्ट ने महीनों चली सुनवाई के बाद जुलाई 2025 में फैसला सुरक्षित रख लिया था।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला....

- कानून बनने से पहले दंपतियों ने जब अपना भ्रूण फ्रीज कराया तब कोई कानूनी उम्र सीमा लागू नहीं थी। इसलिए उनके पास सरोगेसी का अधिकार पहले से बना हुआ था। ऐसे में नया कानून पिछले मामलों पर लागू नहीं किया जा सकता।
- सरोगेसी तब शुरू मानी जाएगी जब दंपति के गैमेट्स (स्पर्म और एग) निकाल लिए गए हों और भ्रूण तैयार कर फ्रीज कर दिया गया हो। इसके बाद दंपति का काम पूरा हो जाता है। आगे का प्रोसेस सिर्फ सरोगेट मां से संबंधित है।
- कोर्ट ने सरकार के उस तर्क को भी खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया कि बुजुर्ग माता-पिता बच्चों की देखभाल नहीं कर पाएंगे। इसलिए उम्र सीमा जरूरी है। इस पर कोर्ट ने कहा कि सरकार यह तय नहीं कर सकती कि कौन माता-पिता बनने के योग्य है और कौन नहीं।

सत्ता से बाहर होने पर सपा को याद आते हैं हमारे संत-महापुरुष और पीडीए :मायावती

लखनऊ,एजेंसी। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने समाजवादी पार्टी (सपा) पर हमला बोलते हुए कहा कि जब ये सत्ता में रहते हैं तो हमारे संत, महापुरुष और पीडीए याद नहीं आते। सत्ता से बाहर होने पर उनके नाम का गुणगान करते संगोष्ठी और कार्यक्रम करने लगते हैं। बसपा प्रमुख ने गुरुवार को पार्टी संस्थापक कांशीराम की पुण्यतिथि पर लखनऊ में भारी संख्या में पहुंचे कार्यकर्ताओं को सम्बोधित किया। इससे पहले उन्होंने कांशीराम के चरणों में पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया।

बसपा प्रमुख ने कहा कि कांशीराम की पुण्यतिथि पर संगोष्ठ का ऐलान करने वाले इन समाजवादियों के दोहरे चरित्र से

लोगों को सावधान रहना चाहिए। आज कांशीराम की पुण्यतिथि पर सपा के लोग संगोष्ठी करना चाहते हैं। जब वे सत्ता में रहते है तो न कांशीराम याद आते हैं न बाबा साहेब भीम राव अम्बेडकर। जब इनकी सरकार चली जाती है तो इन्हें पीडीए याद आ जाता है और हमारे संत-गुरुओं की संगोष्ठी करने लग जाते हैं। मायातवी ने कहा कि सपा ने ना केवल कांशीराम जी के जीते-जी उनके पार्टी के साथ दग़ा करके उनके मूवमेन्ट को यूपी में कमज़ोर करने की लगातार कोशिशें कीं हैं। बल्कि बसपा सरकार में कासगंज को ज़िला मुख्यालय का दर्जा देकर कांशीराम नगर के नाम से बनाये गये नये ज़िला के नाम को भी जातिवादी सोच व राजनीतिक द्वेष के कारण बदल दिया। इसके अलावा, कांशीराम के नाम से अन्य और भी जो कई विश्वविद्यालय, कालेज, अस्पताल व अन्य संस्थायें आदि बनाये गये उनमें से भी अधिकतर का नाम सपा सरकार के आने पर बदल दिए गए।

एसटी दर्जे की मांग पर आमने-सामने आदिवासी और कुड़मी समाज, दोनों ने दिखाई ताकत

राष्ट्र संवाद मुख्य संवाददाता

जमशेदपुर। अनुसूचित जनजाति (एसटी) दर्जे की मांग को लेकर कुड़मी समाज और इसके विरोध में आदिवासी समाज के बीच तनावपूर्ण माहौल बनता जा रहा है। एक ओर कुड़मी समाज ने ÷कुड़मी अधिकार रैली÷ के माध्यम से आंदोलन तेज करने की घोषणा की है, तो दूसरी ओर आदिवासी समाज ने इसे अपनी संस्कृति और अस्तित्व पर हमला बताते हुए आक्रोश रैली निकाली।

निर्मल गेस्ट हाउस में हुई बैठक में 'वृहद झारखंड कुड़मी समन्वय समिति' का गठन किया गया। संयोजक हरमोहन महतो, शीतल ओहदार और कुड़मी सेना

के अध्यक्ष शैलेंद्र महतो ने 2 नवंबर से 11 जनवरी तक राज्यव्यापी रैलियों का कार्यक्रम घोषित किया। 23 नवंबर को जमशेदपुर में बड़ी रैली होगी, जिसमें तीन राज्यों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। कुड़मी नेताओं ने कहा कि उनकी मांगें–एसटी सूची में शामिल होना और कुड़माली भाषा को 8वीं अनुसूची में दर्ज करना–उनके अधिकार और अस्मिता की लड़ाई है।

वहीं, आदिवासी समाज ने जमशेदपुर में विशाल आक्रोश रैली

निकालकर कुड़मी समाज को एसटी में शामिल करने का विरोध किया। उन्होंने उपायुक्त को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपते हुए चेतावनी दी कि आदिवासी संस्कृति और पहचान से कोई समझौता स्वीकार नहीं होगा।

दोनों समाजों के आमने-सामने आने से क्षेत्र में राजनीतिक और सामाजिक हलचल तेज हो गई है। अब नजर सरकार की अगली रणनीति पर टिकी है, जो इस विवाद को संतुलित समाधान की दिशा दे सके।

बाप-बेटी को जेल भेजने के मामले में डीजीपी ने की कार्रवाई, नामकुम थानेदार और आईओ का किया तबादला

राष्ट्र संवाद संवाददाता

रांची। खुशी तिवारी नाम की एक महिला और उसके पिता को जेल भेजने के मामले में डीजीपी अनुराग गुप्ता ने सख्त कार्रवाई की है। डीजीपी अनुराग गुप्ता के आदेश पर डीआईजी कार्मिक की ओर से प्रशासनिक दृष्टिकोण से नामकुम थाना प्रभारी मनोज कुमार को रांची जिला बल से सिमडेगा जिला तबादला कर दिया गया, जबकि इस केस के आईओ मिथुन कुमार को सस्पेंड करते हुए चाईबासा जिला ट्रासंफर कर दिया। उल्लेखनीय है कि रांची के गोंदा थाना क्षेत्र में रहने

वाली महिला को आपराधिक प्रवृत्ति के एक व्यक्ति के धमकाने के मामले में डीजीपी अनुराग गुप्ता ने बीते अगस्त महीने संज्ञान लिया था। उन्होंने इसकी जांच का जिम्मा डीआईजी बजट संध्या रानी मेहता को सौंपा था। डीजीपी अनुराग गुप्ता ने रांची एसएसपी को निर्देश दिया था, कि जब तक जांच पूरी नहीं होती, तब तक गोंदा और नामकुम थाना के जांचकर्ता कोई कार्रवाई नहीं करेंगे। इसके बावजूद भी नामकुम थाना की पुलिस की ओर से महिला और उसके पिता को जेल भेज दिया गया।

क्या है पूरा मामला- खुशी तिवारी, जिनके पति उन्हें पहले ही छोड़ चुके हैं, वर्तमान में आर्थिक तंगी से जूझ रही है। इसी कारण उन्होंने कुछ रकम ब्याज पर ली थी। उनका आरोप है कि पैसे लेने के बाद प्रियंका नायक और उसके भाई काशीनाथ नायक ने उन्हें धमकाना शुरू कर दिया।

खुशी का कहना है कि उस पर काशीनाथ से शादी करने का दबाव बनाया जा रहा था। काशीनाथ नायक नामकुम थाना क्षेत्र का रहने वाला है। उस पर फर्जी शादीनामा बनवाने और खुशी की अश्लील तस्वीरें बनाकर ब्लैकमेल करने का आरोप है। खुशी ने इस संबंध में गोंदा थाना में एक मामला दर्ज कराया, इसके बाद काशीनाथ को गिरफ्तार किया गया। खुशी का आरोप है कि जेल से छूटने के बाद काशीनाथ उसे धमकाने लगा। उसने अपनी पत्नी के साथ मिलकर नामकुम थाने में उन पर और उनके परिवार पर झूठा केस दर्ज करवाया।

राहुल गांधी को झारखंड उच्च न्यायालय से राहत, मानहानि केस में संज्ञान लेने का आदेश रद्द

राष्ट्र संवाद संवाददाता

रांची। झारखंड उच्च न्यायालय से कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ टिप्पणी से जुड़े मानहानि मामले में राहत मिली है।

मामले में पश्चिमी सिहंभूम (चाईबासा) स्थित एमपी एमएलए की विशेष कोर्ट की ओर से राहुल गांधी के खिलाफ संज्ञान लेने और समन जारी करने के आदेश को चुनौती देते हुए दायर याचिका पर उच्च न्यायालय में गुरुवार को सुनवाई हुई। उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति अनिल कुमार चौधरी की कोर्ट ने संज्ञान लेने के उक्त आदेश को रद्द कर दिया। नया आदेश पारित करने के लिए चाईबासा की निचली अदालत को वापस भेज दिया।

उच्च न्यायालय ने कहा है कि यह आदेश सत्र न्यायालय की ओर से पारित आदेश से प्रभावित होकर वरिष्ठ मजिस्ट्रेट की ओर से पारित किया गया था। पहले शिकायतकर्ता की ओर से दायर शिकायत को वरिष्ठ मजिस्ट्रेट ने खारिज कर दिया था, जिसके खिलाफ शिकायतकर्ता ने वरिष्ठ सत्र न्यायालय के समक्ष आपराधिक पुनरीक्षण याचिका दायर की थी। उसके बाद वरिष्ठ मजिस्ट्रेट की ओर से संज्ञान लेने और समन जारी करने के बाद उस पुनरीक्षण को अनुमति दे दी गई। यह मामला वर्ष 2018 में राहुल गांधी की ओर से दिए गए एक राजनीतिक भाषण से जुड़ा है। 28 मार्च 2018 को कांग्रेस के एक अधिवेशन के दौरान राहुल गांधी ने भाजपा नेता अमित शाह के खिलाफ अमार्यादित टिप्पणी की थी।

अशोक कुमार ठाकुर
बिहार उप ब्यूरो , राष्ट्र संवाद

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले राज्य की राजनीति में उठापटक और अंतर्कलह का दौर जारी है। महागठबंधन के घटक दलों के बीच सीट बंटवारे को लेकर मतभेद गहराते जा रहे हैं, जिससे एकजुटता पर सवाल खड़े हो गए हैं। कांग्रेस ने संकेत दिया है कि अब पार्टी अपने हिस्से पर कोई समझौता नहीं करेगी।

इधर, भाजपा तेजस्वी यादव और महागठबंधन के नेतृत्व पर लगातार हमलावर है, जबकि लोजपा (रामविलास) प्रमुख चिराग पासवान की सक्रियता ने एनडीए के भीतर भी असमंजस पैदा कर दिया है। चिराग की बढ़ती मांग–लोकसभा फॉर्मूले की तर्ज पर 35 से 40 सीटों की–ने राजग खेमे में नई चिंता खड़ी कर दी है।

वहीं, प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी ने पहली उम्मीदवार सूची जारी कर राजनीतिक परिदृश्य में नया मोड़ ला दिया है। इससे महागठबंधन और एनडीए, दोनों के लिए सीटों और रणनीति को लेकर स्थिति और जटिल हो गई है। कुल मिलाकर बिहार की राजनीति इस समय अस्थिरता, अंदरूनी मतभेद और सियासी चालों के दौर से गुजर रही है, जहां हर गठबंधन की परीक्षा उम्मीदवार चयन और नेतृत्व की कुशलता पर निर्भर करेगी।

घाटशिला उपचुनाव को लेकर सभी कोषांगों को मिशन मोड में कार्य का निर्देश

राष्ट्र संवाद संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम। समाहरणालय सभागार में जिला निर्वाचन पदाधिकारी कर्ण सत्यार्थी की अध्यक्षता में घाटशिला विधानसभा उपचुनाव की तैयारियों को लेकर सभी कोषांगों के वरीय, प्रभारी और सहायक प्रभारी पदाधिकारियों की बैठक हुई।

बैठक में निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन का अक्षरश: पालन करते हुए सभी कोषांगों को मिशन मोड में कार्य शुरू करने के निर्देश दिए गए। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने क्रमवार निर्वाचन कोषांग, कार्मिक कोषांग, ईवीएम कोषांग, स्वीप कोषांग, सामग्री कोषांग, व्यय लेखा कोषांग, मतपत्र कोषांग, वाहन कोषांग, प्रशिक्षण कोषांग, सूचना एवं तकनीकी कोषांग, एमसीसी कोषांग, मीडिया तथा पीडब्लूडी कोषांग की कार्ययोजनाओं की समीक्षा की।

उन्होंने निर्वाचन कार्य में सुचिता, निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखने पर जोर देते हुए पदाधिकारियों से दायित्वों को भली-भांति समझकर क्रियान्वयन करने की अपील की। वहीं स्वीप कोषांग को मतदाता जागरूकता अभियान व्यापक स्तर पर चलाने का भी निर्देश दिया गया।

कार्मिक कोषांग को त्रुटिरहित कर्मियों की सूची तैयार करने, प्रशिक्षण कोषांग को प्रशिक्षण कैलेंडर अंतिम रूप देकर समय पर प्रशिक्षण देने, ईवीएम कोषांग को आवश्यक संख्या में मशीन उपलब्ध कराने, डिस्पैच सेंटर और बूथों पर एसओपी के अनुरूप सभी व्यवस्था करने को कहा गया।

सुप्रीम कोर्ट ने मेरी मांग के अनुरुप फैसला दिया: सरयू राय

राष्ट्र संवाद संवाददाता

सारंडा पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला

जमशेदपुर। जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय ने बुधवार को सारंडा पर सुप्रीम कोर्ट के दिये गये फैसले का गुरुवार को प्रसन्नता जाहिर की है।

यहां जारी एक बयान में सरयू राय ने कहा: सारंडा के जितने क्षेत्र (31468 हेक्टेयर यानी 314.68 वर्ग किलोमीटर) को सैंक्चुअरी अधिसूचित करने का निर्देश सर्वोच्च न्यायालय ने दिया है, उतने क्षेत्र को सैंक्चुअरी बनाने की मांग वह विगत पाँच वर्षों से करते आ रहे हैं। सरकार उनकी माँग नहीं मान रही थी। अब सुप्रीम कोर्ट ने इस आशय का स्पष्ट आदेश दे दिया है तो उन्हें बेहद प्रसन्नता है। उम्मीद है कि झारखंड सरकार अब उनकी मांग को पूरा

करेगी। बीच में दुविधा इसलिए हो गई कि झारखंड सरकार के वन विभाग ने जून 2025 में सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष शपथ पत्र देकर कह दिया कि सरकार सारंडा के करीब 557 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में सैंक्चुअरी बनाएगी।

सरयू राय ने कहा कि तत्कालीन बिहार सरकार ने 16 फरवरी 1968 को अधिसूचना संख्या 1168एफ द्वारा सारंडा के करीब 314 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को सैंक्चुअरी बनाने की अधिसूचना जारी की थी, जिसका उल्लेख केएस राजहंस द्वारा सारंडा के 20 वर्षीय वर्किंग प्लान (1976-96) में भी है। इस बारे में उन्होंने झारखंड विधानसभा में अल्पसूचित प्रश्न किया तो सरकार ने जवाब दिया कि इस अधिसूचना की प्रति उपलब्ध नहीं है। तब एक वन्यजीव विशेषज्ञ डा॰ आर के सिंह ने 2022 में एनजीटी में इसके लिए मुकदमा किया। एनजीटी के आदेश को सरकार ने क्रियान्वित नहीं किया तो पलामू के प्रो॰ (डा॰) डीएस श्रीवास्तव सुप्रीम कोर्ट ग,ए जिसके बाद कल फैसला आया कि झारखंड सरकार सारंडा के करीब 314 वर्ग किलोमीटर भूभाग को सैंक्चुअरी घोषित करे और एक में सप्ताह में सुप्रीम कोर्ट को बताए।

सरयू राय ने कहा कि सरकार को चाहिए कि अब हीला-हवाली न करे और शीघ्रातिशीघ्र सुप्रीम कोर्ट के आदेश को क्रियान्वित कर सारंडा के करीब 324 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को सैंक्चुअरी घोषित करे।

चतरा के सांसद कालीचरण सिंह ने कैमूर में की कार्यकर्ताओं के साथ बैठक

राष्ट्र संवाद संवाददाता

चतरा के सांसद कालीचरण सिंह ने आज बिहार के कैमूर जिले में बैठक की। जिसमें मंडल अध्यक्ष, जिला पदाधिकारी, विधानसभा प्रभारी, विधानसभा विस्तारक और विधानसभा प्रवासी सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल हुए। इस बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश पाण्डेय और संचालक महामंत्री संतोष खेरवार ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान सांसद कालीचरण सिंह ने आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर रणनीति तथा तैयारियों पर चर्चा किया। उन्होंने सभी उपस्थित पदाधिकारियों को प्रत्येक बूथ पर प्रभावी योजना बनाने और चुनावी जमीन मजबूत करने के निर्देश दिये। सांसद ने कहा कि इस बार का चुनाव विशेष है और इसकी जीत के लिए सभी स्तरों पर एकजुट होकर काम करना होगा। सभी कार्यकताओं को अपने-अपने क्षेत्र में जाकर मतदाताओं के बीच जन संपर्क बढ़ाना होगा और पार्टी के संदेश को प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचाना होगा। साथ ही मंडल अध्यक्ष, जिला पदाधिकारी आदि ने भी अपने-अपने क्षेत्रों की स्थिति पर चर्चा करते हुए आगामी चुनाव को लेकर उत्साह व्यक्त किया। कालीचरण सिंह ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव में पार्टी की मजबूत पकड़ बनाने के लिए हर बूथ को एक-एक किले के समान तैयार करना होगा और प्रत्येक कार्यकर्ता को अपनी जिम्मेदारी पूरी निष्ठा से निभानी होगी। उन्होंने संवाद के महत्व पर भी जोर दिया और कहा कि जनता के बीच सीधे संवाद से ही पार्टी की योजनाओं और विकास कार्यों की सच्चाई पहुंचाई जा सकती है। बैठक में रोहतास जिले के उपाध्यक्ष श्री प्रिंस राज भी उपस्थित रहे।

महिला की मौत पर परिजनों नें डॉक्टर पर लगाया ईलाज में लापरवाही का गंभीर आरोप

राष्ट्र संवाद संवाददाता

चतरा : जिले के सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत लोवागड़ा गांव निवासी गोमती देवी नामक वृद्ध महिला का संदेहास्पद स्थिति में मौत का सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है। मृतिका के पुत्र ने शहर के गुदरी बाजार ईलाके में संचालित ज्या डेंटल क्लीनिक के संचालक डॉक्टर ज्या पर इलाज में लापरवाही बरतते हुए गलत इंजेक्शन देने का गंभीर आरोप लगाया है। परिजनों के अनुसार गोमती देवी के दांत में दर्द था, जिसका इलाज कराने वे लोग उन्हें लेकर डॉक्टर ज्या के क्लीनिक में गये थे। परिजनों के अनुसार जांच के बाद डॉक्टर ने महिला को दवा लिखने के साथ-साथ इंजेक्शन भी दिया था। इंजेक्शन देने के दौरान निडील टूट गया, जो अभी भी मृतिका के शरीर में ही मौजूद है। इंजेक्शन पड़ने के बाद वे लोग गोमती को लेकर अपने घर चले गए। जहाँ देर रात गोमती कि स्थिति अचानक बिगड़ने लगी, उसके बाद परिजन गोमती को लेकर आनन-फानन में सदर अस्पताल पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इधर घटना का सूचना पाकर विधायक जनार्दन पासवान भी सदर अस्पताल पहुंचे और मामले की उच्च स्तरीय जांच करते हुए लापरवाही बरतने वाले चिकित्सक के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। मौके पर विधायक ने स्वास्थ्य मंत्री पर डॉक्टर के नियुक्ति करने के बजाय बड़ी-बड़ी बातें करने का गंभीर आरोप लगाया है। कहा कि झारखंड में डॉक्टरों की भारी कमी है, बावजूद सरकार इस दिशा में ठोस कार्य करने के बजाय सिर्फ घोषणा और बयानबाजी पर टिकी है। जिसका कोपभाजन आमलोग हो रहे हैं। हालांकि इस पूरे मामले में डॉक्टर ज्या ने खुद को निर्दोष बताया है। उन्होंने बताया कि महिला जब इलाज के लिए आई थी, उस दौरान वह ठीक से चल भी नहीं पा रही थी। परिजनों के द्वारा दांत निकालने का दबाव बनाया जा रहा था, लेकिन मैंनें दवा लिखकर उन्हें तीन दिन बाद आने का सलाह देकर भेज दिया था। उन्होंने कहा कि मैंने ऐसा कोई भी दवा नहीं लिखा है, जिससे किसी की जान चली जाए। डॉक्टर नें महिला को इंजेक्शन देने की बात से भी इंकार किया है। उन्होंने महिला के मुंह से झाग निकलने पर कहा है की उसे मेरे दवा के बजाय परिजनों द्वारा कोई जहरीला दवा दे दिया गया है। जिससे महिला की मौत हुई है। डॉ ज्या ने कहा है कि मामले की जांच होगी तो दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा।

भीड़ से नहीं डरेगा कुड़मी समाज, होगा जोरदार आंदोलन

राष्ट्र संवाद संवाददाता

23 नवंबर को जमशेदपुर में कुड़मी अधिकार रैली, तीन राज्यों से लोग होंगे शामिल

रांची मोरहाबादी मैदान में 11 जनवरी को महारैली का होगा आयोजन

जमशेदपुर : अपने हक और अधिकार की लड़ाई को लेकर कुड़मी समाज ने एक बार फिर आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है। इसी क्रम में गुरुवार को स्थानीय निर्मल गेस्ट हाउस में कोल्हान स्तरीय बैठक आयोजित की गई, जिसमें ह्यवृहद झारखंड कुड़मी समन्वय समितिह्न का गठन किया गया।

बैठक के बाद समिति के संयोजक हरमोहन महतो, शीतल ओहदार और कुड़मी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष शैलेंद्र महतो ने आंदोलन की रूपरेखा की घोषणा की। उन्होंने बताया कि राज्य के विभिन्न प्रमंडलों में क्रमवार ह्यकुड़मी अधिकार रैलीह्न का आयोजन किया जाएगा।

जमशेदपुर में आयोजित रैली में कोल्हान क्षेत्र के कार्यकर्ता शामिल होंगे। नेताओं ने कहा कि यदि इन रैलियों के बाद भी केंद्र सरकार ने समाज की मांगों पर ध्यान नहीं दिया, तो आर्थिक नाकेबंदी पर भी विचार किया जाएगा।

शीतल ओहदार ने बताया कि उनकी प्रमुख मांगों में कुड़मी जाति को अनुसूचित जनजाति (एसटी) में सूचीबद्ध करना, कुड़माली भाषा को 8वीं अनुसूची में शामिल करना और समाज के शहीदों के सम्मान की रक्षा करना शामिल है।

हरमोहन महतो ने कहा कि यह आंदोलन किसी समाज के खिलाफ नहीं, बल्कि अपनी अस्मिता और अधिकार की रक्षा के लिए है। उन्होंने स्पष्ट किया कि समाज का रेल रोको आंदोलन सफल रहा है, जबकि इसके विरोध में हो रहे प्रदर्शन प्रायोजित हैं।कुड़मी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष शैलेंद्र महतो ने कहा कि ह्लकुड़मी समाज किसी भी भीड़ से डरने वाला नहीं, बल्कि लड़ने वाला समाज है। आने वाले दिनों में किसी भी साजिश का जवाब ईंट का नहीं, बल्कि चट्टान से दिया जाएगा।सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता अरविंद महतो ने कहा कि पश्चिम बंगाल में समाज के आंदोलन पर लगी हाईकोर्ट की रोक के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की जाएगी।

रैली का कार्यक्रम इस प्रकार रहेगा —
2 नवंबर : हजारीबाग
16 नवंबर : बोकारो (चंदनकियारी)
23 नवंबर : जमशेदपुर (पूर्वी सिंहभूम)
2 दिसंबर : धनबाद
14 दिसंबर : बोकारो (नावाडीह)
11 जनवरी 2026 : रांची (मोरहाबादी मैदान में महारैली)

कोर्ट में यह तर्क दिया जाएगा कि अगर कुड़मी समाज के मौलिक अधिकारों पर रोक लग सकती है, तो अन्य समाजों के आंदोलनों पर भी रोक लगनी चाहिए।

बैठक में हरिशंकर महतो, सपन महतो, नारायण महतो, प्रणव महतो, संतोष महतो, विशाल चंद्र महतो, सुमित महतो, पिंकी महतो, मोहिता महतो, अनिता महतो, रंजीता महतो, प्रबीर महतो और नेपाल महतो सहित अनेक सदस्य मौजूद थे।

पिंकी बनीं कुड़मी सेना महिला प्रदेश अध्यक्ष

बैठक में कुड़मी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष शैलेंद्र महतो ने बोड़ाम निवासी पिंकी महतो को संगठन की महिला प्रदेश अध्यक्ष और गम्हरिया निवासी प्रेम महतो को कोल्हान प्रमंडल अध्यक्ष नियुक्त किया। इस अवसर पर दोनों पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र भी सौंपा गया।

एक्सएलआरआई ऑडिटोरियम में दिशा के दीक्षांत समारोह के दौरान 620 ग्रामीण महिला नेतृत्वकताओं की उपलब्धियों का जश्न मनाया गया

राष्ट्र संवाद संवाददाता

जमशेदपुर: टाटा स्टील फाउंडेशन ने आज एक्सएलआरआई ऑडिटोरियम में दिशा दीक्षांत समारोह का आयोजन किया, जिसमें छह इकाइयों झ जमशेदपुर, नोआमुंडी, वेस्ट बोकारो, जामाडोबा, जोडा और कलमांग झ की 620 महिलाओं की उपलब्धियों का जश्न मनाया गया, जिन्होंने सफलतापूर्वक अपना नेतृत्व प्रशिक्षण पूरा किया है।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जमशेदपुर पूर्व की विधायक श्रीमती पूर्णिमा दास साहू उपस्थित थीं। साथ ही, टाटा स्टील के वाइस प्रेसिडेंट (कॉरपोरेट सर्विसेज) एवं टाटा स्टील फाउंडेशन के निदेशक श्री डी.बी. सुन्दरा रामम और श्रीमती शैलजा सुन्दरा रामम विशिष्ट अतिथि के रूप में समारोह में शामिल हुए।

वित्त वर्ष 2021-22 में शुरू किया गया दिशा टाटा स्टील फाउंडेशन का प्रमुख कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य वंचित समुदायों की महिलाओं को सशक्त बनाना और उन्हें अपने स्थानीय समुदायों में सक्रिय नेता एवं परिवर्तनकर्ता के रूप में स्थापित करना है। सुव्यवस्थित नेतृत्व प्रशिक्षण मॉड्यूल के माध्यम से यह पहल महिलाओं में आत्मविश्वास विकसित करती है, सामूहिक रूप से कार्य करने की क्षमता बढ़ाती है और सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक परिवर्तन को दिशा देती है।

समारोह के दौरान दिशा नेतृत्व कताओं के साथ एक संवाद सत्र भी आयोजित किया गया। इस अवसर पर टाटा स्टील के वाइस प्रेसिडेंट (कॉरपोरेट सर्विसेज) एवं टाटा स्टील फाउंडेशन के निदेशक श्री सुन्दरा रामम ने कहा, ह्लग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को परिवर्तन की अगुवाई करते देखना हमारे लिए गर्व का विषय है। देशभर में कई ऐसे उदाहरण हैं जो यह साबित करते हैं कि मेहनत और दृढ़संकल्प ने महिलाओं की समर्पण भावना और समाज के उत्थान के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को और मजबूत किया है। दिशा ने इस आंतरिक क्षमता को पहचानते हुए झारखंड और ओडिशा की महिलाओं को निरंतर उनके नेतृत्व सामर्थ्य को साकार करने में सक्षम बनाया है। हम अपने समुदायों का आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने इस परिवर्तन की यात्रा को हमारे साथ मिलकर आगे बढ़ाया है।ह्व

अब तक 5,500 से अधिक महिलाओं को नेतृत्व प्रशिक्षण दिया जा चुका है, जिनमें से 3,729 महिलाएं दीक्षांत समारोह में सम्मिलित हो चुकी हैं। 6,000 महिलाओं को समुदाय में परिवर्तन के वाहक के रूप में तैयार करने के लक्ष्य के साथ दिशा निरंतर महिलाओं के नेतृत्व कौशल और जमीनी स्तर पर विकास में उनकी भागीदारी को सशक्त बना रही है।

ह्लप्रबुद्ध और समतामूलक समाजह्व थीम पर आयोजित इस दीक्षांत समारोह ने न केवल महिलाओं की नेतृत्व यात्रा की पूर्णता का जश्न मनाया, बल्कि एक अधिक समावेशी समाज के निर्माण के प्रति उनके समर्पण को भी सम्मानित किया। इस अवसर ने स्नातक हो रही महिलाओं को अपने प्रेरणादायक अनुभव, कहानियाँ और भविष्य की आकांक्षाएँ साझा करने का मंच प्रदान किया, जो दिशा की पहचान झ दृढ़ता और परिवर्तन की भावना झ को बखूबी प्रतिबिंबित करता है।

यह दीक्षांत समारोह सशक्तिकरण, नेतृत्व विकास और सतत सामुदायिक प्रगति के माध्यम से एक समतामूलक समाज के निर्माण की दिशा में टाटा स्टील फाउंडेशन की निरंतर यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है।

साइबर सुरक्षा के प्रति लोगों को किया जा रहा जागरूक – जामताड़ा प्रशासन का पहल

राष्ट्र संवाद सं

जामताड़ा: रांची के मोरहाबादी मैदान में आयोजित झारखंड आईएएस ऑफिसर्स वाइव्स एसोसिएशन (जेसोवा) के पांच दिवसीय दिवाली मेला (9 से 13 अक्टूबर 2025) में जिला प्रशासन, जामताड़ा द्वारा साइबर सुरक्षा क्लब का स्टॉल लगाया गया है। इस स्टॉल के माध्यम से लोगों को साइबर अपराध से बचाव और डिजिटल सुरक्षा के उपायों की जानकारी दी जा रही है।

मेले में झारखंड की परंपराओं, कला, स्वाद, हैंडलूम, हस्तशिल्प और विभिन्न जिलों के उत्पादों के साथ-साथ राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी जा रही है। इसी क्रम में जामताड़ा जिला प्रशासन साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में अपने नवाचारों और सफल पहलों को प्रदर्शित कर रहा है।

जामताड़ा के 71 उच्च विद्यालयों में गठित साइबर सुरक्षा क्लबों की गतिविधियों और उनके सकारात्मक परिणामों से आगंतुकों को अवगत कराया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य लोगों में डिजिटल साक्षरता बढ़ाना और उन्हें साइबर ठगी से सुरक्षित रखना है। प्रशासन का यह प्रयास जिले की पहचान को सकारात्मक दिशा में बदलने की ओर एक कदम माना जा रहा है।

जामताड़ा में विकास योजनाओं की समीक्षा बैठक संपन्न

राष्ट्र संवाद सं

जामताड़ा: परिसदन सभागार में झारखंड विधानसभा की अनुसूचित जाति, जनजाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता समिति के सभापति स्टीफन मरांडी ने की। इस दौरान समिति के सदस्य सुरेश कुमार बैठा और लुईस मरांडी उपस्थित रहे।

बैठक में शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, विद्युत, समाज कल्याण, कृषि, पशुपालन, उद्योग, ग्रामीण विकास, कौशल विकास, श्रम, पर्यटन आदि विभागों की योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। समिति ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सरकार की सभी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और कार्यों में पारदर्शिता व तेजी लाई जाए।

समीक्षा के दौरान आवासीय विद्यालयों में मूलभूत सुविधाएं दुरुस्त रखने, मिड डे मील की गुणवत्ता जांचने, गलत बिजली बिल रोकने और पेयजल आपूर्ति सुचारू रखने के निर्देश दिए गए। साथ ही, रिक्त पदों पर अनुकंपा नियुक्ति शीघ्र पूर्ण करने एवं योजनाओं की जानकारी सूचना पट पर प्रदर्शित करने को कहा गया।

सार-संक्षेप

सड़कों में एनटीपीसी के राख गिरने से उड़ती धूल से बीमारियों का बढ़ने लगा प्रकोप

राष्ट्र संवाद

चतरा: टंडवा एनटीपीसी द्वारा उत्पादित राख से आसपास के क्षेत्रों में भारी प्रदूषण फैलाया जा रहा है। ग्रामीण सड़कों पर जहां- तहां बड़ी मात्रा में राख गिराये जाने से यात्रियों को आवागमन में असुविधा हो रही है। जिससे उनमें घोर आक्रोश है। ट्रांसपोर्टिंग कार्यों में जिला प्रशासन को चुनौती देकर निर्धारित मानकों का खुलेआम उल्लंघन हो रहा है। जिससे हालातों को देखते हुवे लोग जिला प्रशासन व एनटीपीसी प्रबंधन पर जानबूझकर पर्यावरण व मानवीय हितों को नुकसान पहुंचाने के आरोप लगा रहे हैं। राख सुखने के बाद ये राख यात्रियों के आंखों में नासूर सा चुभता है। सीसीएल द्वारा दिए गए फॉग कैनन पानी छिड़काऊ मनीष लोगों को महज कुछ दिनों तक उपयोग के बाद अब फॉग कैनन कहीं नजर नहीं आ रहा है। बहरहाल ,ऐसे तमाम अनियमितताओं पर खाशकर टंडवा-सिमरिया मुख्य सड़क किनारे रहने वाले ग्रामीण बड़बोले नेताओं की चुप्पी पर भी सवालिया निशान लगाते हुवे अब उन्हें जी-भरकर कोसने लगे हैं।

एसएससी सीजीएल परीक्षा फजीर्वाड़ा में परीक्षा केंद्र संचालक गिरफ्तार

राष्ट्र संवाद संवाददाता

धनबाद के बरवाअड्डा थाना क्षेत्र स्थित इन्फिनिटी डिजिटल जोन परीक्षा केंद्र में हुए एसएससी सीजीएल परीक्षा फजीर्वाड़ा मामले में पुलिस ने एक और खुलासा किया है। पुलिस ने परीक्षा केंद्र के संचालक मृत्युंजय कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पूछताछ में उसने फजीर्वाड़े में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है।

दरअसल, बीते दिनों एसएससी सीजीएल परीक्षा के दौरान फजीर्वाड़ा करते पुलिस ने रंगे हाथ बिहार पटना के रहने वाले एक अभ्यर्थी को पकड़ा गया था। दरअसल उस अभ्यर्थी की परीक्षा उसका कम्प्यूटर हैक कर रिमोटली कोई और दे रहा था। वहीं, तकनीकी जांच में यब खुलासा हुआ है कि यह पूरा खेल योजनाबद्ध तरीके से परीक्षा केंद्र के अंदर से ही संचालित किया जा रहा था।

डीएसपी वन शंकर कामती ने गुरुवार को बताया कि कुसुम विहार निवासी संचालक मृत्युंजय कुमार को कल रात हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जहां उसने अपना जुर्म स्वीकार किया है। डीएसपी ने बताया कि इस फजीर्वाड़े में और भी लोग शामिल हो सकते हैं, जो साइबर माध्यम से इस तरह की अवैध गतिविधियों को अंजाम देते हैं। पुलिस तकनीकी साक्ष्य के आधार पर नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी हुई है।

मन को निर्मल बनाता है कीर्तन : आनंद मार्ग प्रचारक संघ

राष्ट्र संवाद संवाददाता

जमशेदपुर : आनंद मार्ग प्रचारक संघ की ओर से विश्वभर में ह्लबाबा नाम केवलम्ह्व कीर्तन का 24 घंटे का अखंड आयोजन किया गया, जो 9 अक्टूबर को संपन्न हुआ। यह अष्टाक्षरी सिद्ध महामंत्र 8 अक्टूबर 1970 को सद्गुरु आनंदमूर्ति जी द्वारा स्थापित किया गया था। समापन अवसर पर सुनील आनंद ने कहा कि कीर्तन ईश्वर-प्राप्ति का सरल साधन है, जो मन को निर्मल बनाकर तनाव, चिंता और अशांति से मुक्ति दिलाता है। कीर्तन व्यक्ति को ईश्वर से जोड़ने, आत्मिक शांति, प्रेम और सहानुभूति की अनुभूति कराने का श्रेष्ठ माध्यम है।

राजमहल में नाबालिग छात्रा का अपहरण प्रयास, ग्रामीणों ने बचाई

राष्ट्र संवाद संवाददाता

साहिबगंज जिले के राजमहल प्रखंड क्षेत्र के उत्क्रमित उच्च विद्यालय जामनगर की एक नाबालिग छात्रा को स्कूल जाते समय असामाजिक तत्वों ने जबरन मारपीट कर बोलेरो पिकअप में बैठाकर अपहरण करने का प्रयास किया।छात्रा के शोर मचाने पर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और वाहन को रोकने की कोशिश की। आरोपितों ने ग्रामीणों के साथ भी मारपीट करने का प्रयास किया, लेकिन बढ़ती भीड़ और ग्रामीणों की तत्परता देखकर सभी आरोपी फरार हो गए। ग्रामीणों ने कुछ आरोपितों की पहचान कर ली है। घटना की जानकारी मिलने पर विद्यालय के शिक्षक और ग्रामीण राजमहल थाना पहुंचे और पुलिस को पूरी जानकारी दी।

आवश्यकता है

राष्ट्र संवाद मासिक, वेब पोर्टल, साप्ताहिक और दैनिक अखबार के लिए झारखंड-बिहार में हर जिले के लिए पत्रकार की जरूरत है। इसके अलावा पत्रकारिता का शौक रखने वाले चाहे वह अन्य किसी भी राज्य से हो, संपर्क या ईमेल कर सकते हैं।

:: संपर्क ::
9431977839
9102339999

ईमेल : rashtrasamvadgroud@gmail.com

कुड़मी समाज को एसटी में शामिल करने के विरोध में आदिवासी समाज की आक्रोश रैली

राष्ट्र संवाद संवाददाता

हजारों की संख्या में आदिवासी समुदाय के लोग सड़कों पर उतरे, उपायुक्त को मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

जमशेदपुर : कुड़मी समाज को अनुसूचित जनजाति (एसटी) में शामिल किए जाने के विरोध में आदिवासी समाज के लोगों ने जमशेदपुर में विशाल आक्रोश रैली निकाली। शहर के विभिन्न इलाकों से हजारों की संख्या में आदिवासी समुदाय के लोग पारंपरिक पोशाक और हथियारों के साथ एकत्रित होकर रैली की शक्ल में उपायुक्त कार्यालय पहुंचे।

आदिवासी समाज ने सरकार को चेतावनी दी कि उनकी संस्कृति, पहचान और अधिकारों से कोई समझौता स्वीकार नहीं होगा। आदिवासी नेताओं ने कहा कि कुड़मी समाज को एसटी में शामिल करने की मांग एक सोची-समझी साजिश है, जो आदिवासी अस्तित्व और अधिकारों पर सीधा हमला है।

नेताओं ने कहा कि ह्लकुड़मी समुदाय से हमारी कोई दुश्मनी नहीं है, लेकिन जब हमारी भाषा, पूजा-पद्धति, रहन-सहन और परंपरा अलग है, तो उन्हें आदिवासी कैसे माना जा सकता है? हमारी संस्कृति, परंपरा और पहचान पर चोट बर्दाश्त नहीं की जाएगी।ह्व

उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार राजनीतिक लाभ के लिए कुर्मी समुदाय को आगे कर रही है, जिसे किसी भी हाल में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

आदिवासी संगठनों ने अपनी मांगों के समर्थन में मुख्यमंत्री के नाम उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा और जमकर नारेबाजी की।

रैली में विभिन्न आदिवासी समाजों के प्रतिनिधि, संगठन और आम लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए।

सार-संक्षेप

टीएमएसटी व अप्रेंटिसशिप उत्तीर्ण 148 प्रशिक्षुओं का टाटा मोटर्स में ही होगा नियोजन, यूनियन ने किया स्पष्ट

राष्ट्र संवाद संवाददाता

जमशेदपुर : टाटा मोटर्स में टीएमएसटी तथा अप्रेंटिसशिप के उपरांत जिन 148 प्रशिक्षुओं को विगत दिनों डिप्लोमा के लिए सूचीबद्ध किया गया था उस मामले में उत्पन्न भ्रांतियों को दूर कर लिया गया है । यूनियन के अध्यक्ष शशि भूषण प्रसाद एवं महामंत्री आरके सिंह का प्लांट हेड सुनील तिवारी के साथ इस मुद्दे पर वार्ता हुई। वार्ता के उपरांत यूनियन कार्यालय में सभी यूनियन पदाधिकारियों के संग अध्यक्ष व महामंत्री बैठक कर सारी वस्तु स्थिति को स्पष्ट किये। महामंत्री आरके सिंह ने बताया कि सभी 148 प्रशिक्षुओं को डिप्लोमा के उपरांत टाटा मोटर्स में ही नियोजित किया जाएगा। यह बात पूरी तरह से स्पष्ट हो चुकी है।

टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन ने रतन टाटा को दी श्रद्धांजलि

राष्ट्र संवाद संवाददाता

जमशेदपुर : टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन द्वारा टाटा समूह के चेयरमैन रहे रतन टाटा को उनके प्रथम पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी गई। अध्यक्ष शशि भूषण प्रसाद, महामंत्री आरके सिंह, यूनियन के पदाधिकारी, कमेटी मेंबर तथा आरके सिंह फैंस क्लब के सदस्यों ने बारी-बारी से स्वर्गीय रतन टाटा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

अध्यक्ष शशि भूषण प्रसाद ने कहा कि रतन टाटा साहब के व्यक्तित्व का बखान करना सूरज को दिया दिखाने जैसा है। वो मजदूरों में खासे लोकप्रिय रहे। उनके शहर आगमन पर लोग उनकी एक झलक पाने के लिए लालाइत रहते थे।

महामंत्री आरके सिंह ने कहा कि इतने बड़े औद्योगिक घराने से जुड़े रहने के बावजूद उनकी सरलता , समाजसेवा तथा मानवीय मूल्यों के प्रति जुनून काबिले तारीफ रहा है । उन्होंने कहा कि रतन टाटा साहब सबों के लिए आदर्श रहें। उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम सब उनके व्यक्तित्व से सीख लें।

छठ घाटों की साफ सफाई को लेकर दौरा

राष्ट्र संवाद संवाददाता

जमशेदपुर। जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय के निर्देश पर गुरुवार को विभिन्न छठ घाटों का दौरा किया गया।

दौरे में छठ घाटों की साफ-सफाई, समुचित लाइट की व्यवस्था, विभिन्न घाटों में गोताखोरों की व्यवस्था,छठ व्रतियों के कपड़े बदलने की व्यवस्था सुनिश्चित करने की व्यवस्था की जाएगी।

दौरे में मानगो नगर निगम के सहायक नगर आयुक्त चंदन कुमार, सिटी मैनेजर निशांत कुमार एवं उनकी टीम के साथ जदयू जिला अध्यक्ष सुबोध श्रीवास्तव , अजय कुमार, पिंटु सिंह, पवन सिंह, प्रवीण सिंह, लालू गौड़, कुलविंदर सिंह पन्नू, मनोज गुप्ता, ममता सिंह, विकास साहनी, बिनोद सिंह एवं अन्य उपस्थित रहे।

भुइयाडीह में पारिवारिक विवाद के बाद टेंपो चालक ने फांसी लगाकर दी जान

राष्ट्र संवाद संवाददाता

सिदगोड़ा थाना क्षेत्र के भुइयाडीह स्थित ग्वाला बस्ती में गुरुवार को एक टेंपो चालक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान बबलू यादव के रूप में हुई है। परिजनों ने आनन-फानन में उसे एमजीएम अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मृतक के बड़े भाई के अनुसार, बबलू यादव बुधवार रात घर देर से लौटा था और परिवार के सदस्यों से झगड़ा कर मारपीट की थी। इससे नाराज होकर उसके पिता ने बबलू की पत्नी और तीन बच्चों को घर से निकाल दिया था। वे सभी बगल में ही पिता और बड़े भाई के घर चले गए थे।

गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे जब बच्चे घर लौटे, तो उन्होंने अपने पिता को फंदे से लटका हुआ पाया। उन्होंने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतारा और एमजीएम अस्पताल भेजा, जहां डॉक्टरों ने बबलू को मृत घोषित किया। बाद में शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एटक ने ईएसआईसी आदित्यपुर में 500 बेड की व्यवस्था एवं चिकित्सीय सुविधाओं में सुधार की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

राष्ट्र संवाद संवाददाता

सांसद विद्युत वरण महतो को दी प्रति, मजदूरों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से कराया अवगत

जमशेदपुर : ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस (एटक) की ओर से ई.एस.आई.सी (इम्प्लॉइज स्टेट इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन), आदित्यपुर में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की मांग को लेकर क्षेत्रीय निदेशक को एक मेमोरेंडम सौंपा गया।

एटक की ओर से कोल्हान प्रमंडल के महासचिव कॉम अम्बुज कुमार ठाकुर और उप महासचिव कॉम हीरा अरकने ने ज्ञापन की प्रति जमशेदपुर के सांसद विद्युत वरण महतो को भी सौंपते हुए मजदूरों को मिलने वाली चिकित्सीय सुविधाओं में आ रही कठिनाइयों से अवगत कराया।

प्रतिनिधियों ने मांग की कि ईएसआईसी अस्पताल को 500 बेड का बनाया जाए, गोविंदपुर और मानगो में डिस्पेंसरी खोली जाए, तथा डॉक्टरों, फार्मासिस्ट, नर्सों और हेल्परों की स्थायी नियुक्ति शीघ्र की जाए। साथ ही मजदूरों को उचित उपचार के लिए सभी आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

नशा मुक्त समाज बनाने में सभी का सहयोग आवश्यकः सिविल सर्जन डॉ. साहिर पॉल

राष्ट्र संवाद संवाददाता

तंबाकू मुक्त युवा अभियान 3.0 का शुभारंभ, 60 दिनों तक चलेगा जागरूकता अभियान

जमशेदपुर, :राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत सिविल सर्जन डॉ. साहिर पॉल ने ह्लतंबाकू मुक्त युवा अभियान 3.0ह्व का शुभारंभ किया। यह अभियान 9 अक्टूबर से अगले 60 दिनों तक जिले में चलाया जाएगा।

इस अवसर पर सिविल सर्जन ने अधिकारियों और कर्मचारियों को तंबाकू से दूर रहने की शपथ दिलाई और नशा मुक्त समाज के निर्माण में सबके सहयोग की अपील की। उन्होंने बताया कि इस अभियान के माध्यम से युवाओं को तंबाकू के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए तंबाकू मुक्त जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

डॉ. मृत्युंजय धाउरिया, नोडल पदाधिकारी ने कहा कि जिले को तंबाकू मुक्त बनाने के लिए सभी विभागों, गैर सरकारी संगठनों और शिक्षण संस्थानों की सहभागिता आवश्यक है। कार्यक्रम में मौसमी चटर्जी, कुंदन कुमार समेत अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

घाटशिला उपचुनाव को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने की कोषांगों के साथ समीक्षा बैठक

राष्ट्र संवाद संवाददाता

निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

जमशेदपुर : समाहरणालय सभागार में जिला निर्वाचन पदाधिकारी श्री कर्ण सत्यार्थी की अध्यक्षता में घाटशिला विधानसभा उपचुनाव-2025 की तैयारी को लेकर सभी कोषांगों के वरीय, प्रभारी एवं सहायक प्रभारी पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में निर्वाचन, कार्मिक, ईवीएम, स्वीप, सामग्री, व्यय लेखा, मतपत्र, वाहन, प्रशिक्षण, आईटी, एमसीसी, मीडिया, कंट्रोल रूम, पीडब्लूडी समेत सभी कोषांगों की कार्ययोजना की समीक्षा की गई और उनके क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा हुई।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी कोषांगों को निर्देश दिया कि निर्वाचन कार्य की सुचिता, निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखने हेतु सभी पदाधिकारी अपने दायित्वों को भलीभांति समझें और आयोग की गाइडलाइन के अनुरूप कार्य करें।

उन्होंने मतदाता जागरूकता पर विशेष बल देते हुए स्वीप कोषांग को व्यापक स्तर पर कार्यक्रम संचालित करने का निर्देश दिया। साथ ही कार्मिक कोषांग को त्रुटिरहित कर्मी सूची तैयार करने, प्रशिक्षण कोषांग को प्रशिक्षण कैलेंडर अंतिम रूप देने, ईवीएम कोषांग को आवश्यक मशीनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने, वाहन कोषांग को वाहनों की व्यवस्था करने और सोशल मीडिया पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए।बैठक में उप विकास आयुक्त, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर, विशिष्ट अनुश्रवण पदाधिकारी, डीटीओ, उप निर्वाचन पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी, जनसंपर्क पदाधिकारी समेत सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

सरयू राय के जनसुविधा प्रतिनिधि ने उप नगर आयुक्त को पत्र लिखकर मांगी जानकारियां

राष्ट्र संवाद संवाददाता

जमशेदपुर। जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय के जन सुविधा प्रतिनिधि मुकुल मिश्रा ने जमशेदपुर अक्षेस एवं मानगो नगर निगम के उप नगर आयुक्त को पत्र लिख कर 15वें वित्त आयोग की राशि से हुए विभिन्न परिसंपत्तियों की खरीद करने से संबंधित जानकारी मांगी है।

श्री मिश्रा ने दोनों नगर निकायों से जानना चाहा है कि 15वें वित्त आयोग की राशि से जैम पोर्टल के माध्यम से किन किन वर्षों में कितनी परिसम्पत्तियों का क्रय किया गया है?

उन्होंने यह भी जानना चाहा कि क्रय के पश्चात उन परिसम्पत्तियों का रख-रखाव एवं उपयोग कैसे किया जा रहा है।

श्री मिश्र ने जानना चाहा कि 15वें वित्त आयोग के मद से तीन पहिया रिक्शा एवं सड़क की सफाई के लिए जो गाड़ियाँ खरीदी गयी थी, उसका क्या उपयोग किया जा रहा है।

उन्होंने उप नगर आयुक्त से उक्त जानकारियां शीघ्रता से उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है।

महिला शिक्षक के घर में नगद और गहने समेत16 लाख की चोरी

राष्ट्र संवाद संवाददाता

सरायकेला:महिला शिक्षक के घर में नगद और गहने समेत 16 लाख की चोरी की घटना को चोरो ने अंजाम दिया।...घर बंद कर भतीजा के सगाई में बाहर गए थे परिवार के लोग।*

.बताया जा रहा है की हाता से सटे छोटा सिजुलता गाँव में चोरो ने *महिला शिक्षक सुरेखा सतपती के घर में चोरी की बड़ी घटना को अंजाम दिया, घर के दरबाजा और अलमारी तोड़ कर डेढ़ लाख नगद, और कई कीमती आभूषण की चोरी कर लिए गए, वहीं पीड़ित परिवार के लोगों ने इसकी सुचना राजनगर थाना की पुलिस को दिया वहीं पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जाँच पड़ताल शुरू कर दिया हैं, और आस पास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाला जा रहा हैं।

.पीड़ित महिला शिक्षक सुरेखा सतपती ने कहा की हम अपने भतीजा सूरज नंदा के सगाई में घर बंद कर सुबह 11:30 बजे इंपीरियल होटल गए थे जब घर 5 बजे शाम वापस आए तो देख की घर के दरवाजा खुला हुआ है, और अलमारी टूटा हुआ है गहने के खाली डब्बे इधर उधर बिखरा पड़ा हुआ है, नगद समेत करीबन 16 लाख की चोरी हुई हैं।

घाटशिला उपचुनाव को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी व एसपी ने किया कॉपरेटिव कॉलेज का निरीक्षण

राष्ट्र संवाद संवाददाता

ईवीएम डिस्पैच एवं रिसिविंग सेंटर की तैयारियों की समीक्षा, दिए आवश्यक निर्देश

जमशेदपुर : घाटशिला विधानसभा उपचुनाव-2025 की तैयारियों को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी श्री कर्ण सत्यार्थी और वरीय पुलिस अधीक्षक श्री पीयूष पांडेय ने कॉपरेटिव कॉलेज, जमशेदपुर का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने ईवीएम डिस्पैच एवं रिसिविंग सेंटर निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया और मौके पर उपस्थित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बताया गया कि 45-घाटशिला विधानसभा क्षेत्र की सभी पोलिंग पार्टियां यहीं से रवाना होंगी तथा मतदान के बाद ईवीएम सेट की रिसिविंग भी इसी परिसर में की जाएगी।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने भवन निर्माण विभाग को स्ट्रॉग रूम का निर्माण शीघ्र पूर्ण करने और परिसर में आवश्यक बेरिकेडिंग की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही पोलिंग पार्टियों के लिए सामग्री वितरण, वाहन पार्किंग, ईवीएम-वीवीपैट रखरखाव, पेयजल, बिजली, शौचालय, चिकित्सा सुविधा और हेल्प डेस्क जैसी मूलभूत व्यवस्थाओं को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए।

अधिकारियों ने रिजर्व कर्मियों, माइक्रो ऑब्जर्वरों और मेडिकल टीम के बैठने की समुचित व्यवस्था करने तथा सभी विभागों के बीच आपसी समन्वय बनाए रखने पर जोर दिया।

निरीक्षण के दौरान सिटी एसपी कुमार शिवाशीष, डीटीओ धनंजय, उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रियंका सिंह, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी पंचानन उरांव, भवन निर्माण विभाग के अभियंता, डीएसपी व थाना प्रभारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मानगो में स्ट्रीट लाइट और नालियों की समस्या पर होगी कार्रवाई :अंसार खान

राष्ट्र संवाद संवाददाता

जमशेदपुर:मानगो क्षेत्र में लंबे समय से खराब पड़ी स्ट्रीट लाइटें, अधूरे नाली निर्माण कार्य और नालियों पर उगी झाड़ियों की सफाई को लेकर जल्द ही काम शुरू होगा। यह जानकारी पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व जिला उपाध्यक्ष और वरिष्ठ कांग्रेस नेता मौलाना अंसार खान ने दी।

अंसार खान के नेतृत्व में मानगो क्षेत्र का एक प्रतिनिधिमंडल ने मानगो नगर निगम के उपनगर आयुक्त के नाम तीन सूत्रीय मांग पत्र सौंपा। इसमें प्रमुख रूप से जवाहर नगर क्रॉस रोड नंबर 14, गुलाब बाग फेस-2, वारिस कॉलोनी, जवाहर नगर रोड नंबर 15, बागान शाही सहित कई इलाकों में खराब पड़ी स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत की मांग की गई।

इसके अलावा जवाहर नगर रोड नंबर 13 में नाली निर्माण कार्य शीघ्र शुरू करने और बागान शाही रोड नंबर 9 के पीछे नाली पर उगी झाड़ियों की सफाई कराने की भी मांग रखी गई।

नगर निगम के पदाधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि कल से नालियों और झाड़ियों की सफाई शुरू कर दी जाएगी। साथ ही खराब स्ट्रीट लाइटों को जल्द ठीक कराया जाएगा तथा रोड नंबर 13 पर नाली निर्माण कार्य भी शीघ्र शुरू होगा।प्रतिनिधिमंडल में हाजी अब्दुल लतीफ, नूर आलम, आदिल खान, मोहम्मद आजीम़ खान, मोहम्मद यूसुफ, जुबेर मलिक, अली इमाम, मोहम्मद आरजू खान और शहंशाह खान सहित कई लोग शामिल थे।

करीम सिटी कॉलेज NSS इकाई द्वारा भोजन वितरण कार्यक्रम आयोजित

राष्ट्र संवाद संवाददाता

जमशेदपुर : करीम सिटी कॉलेज, जमशेदपुर की NSS इकाई ने समाज सेवा की भावना को आगे बढ़ाते हुए साकची गोलचक्कर एवं आसपास के क्षेत्रों में जरूरतमंदों के बीच भोजन वितरण कार्यक्रम आयोजित किया।

कार्यक्रम का उद्देश्य वंचित लोगों तक भोजन पहुँचाना और युवाओं में सामाजिक दायित्व की भावना विकसित करना था।

विशेष रूप से सभी स्वयंसेवकों ने अपने घरों से भोजन तैयार कर लाया और मिलजुलकर जरूरतमंदों में वितरित किया। भोजन वितरण के दौरान स्वयंसेवकों ने लोगों से आत्मीय संवाद भी किया, जिससे उनमें खुशी और अपनापन देखने को मिला।

कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. मोहम्मद रियाज, NSS प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. आले अली और NSS को-ऑर्डिनेटर सैयद साजिद परवेज उपस्थित रहे तथा स्वयंसेवकों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्य छात्रों में मानवता और सेवा की भावना को प्रोत्साहित करते हैं।

कार्यक्रम का सफल संचालन सीनियर वॉलंटियर जयकृष्ण धारा ने किया, जबकि रेहान रजा, बेबी महतो और ईसान बिशोई ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कॉलेज प्रशासन ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ठरर यूनिट का यह प्रयास समाज में सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में सराहनीय कदम है।

संपादक की कलम से

भारत की दवा उद्योग की चमक के पीछे का अंधेरा चिंताजनक

देवानंद सिंह

भारत दुनिया की ह्यफामेर्सीह्न कहा जाता है। यह एक गर्व की बात है, लेकिन हाल की घटनाएं इस गौरव को गहरे सवालों के घेरे में ला खड़ा करती हैं। राजस्थान और मध्य प्रदेश में ह्यकफ सिरपह्न पीने के बाद कई बच्चों की मौतें हुई हैं। यह सिर्फ एक हादसा नहीं, बल्कि उस बड़े तंत्र की विफलता का प्रतीक है जो दवा सुरक्षा, गुणवत्ता नियंत्रण और निगरानी का जिम्मेदार है। जब एक ऐसी दवा, जो राहत देने के लिए बनाई गई हो, मौत का कारण बन जाए, तो यह न केवल चिकित्सा प्रणाली की बल्कि नियामक ढांचे की विश्वसनीयता पर भी गहरी चोट है।

यह विडंबना ही है कि जिस देश ने जेनेरिक दवाओं के क्षेत्र में दुनिया को सस्ता और असरदार विकल्प दिया, वही देश आज अपनी ही दवाओं की सुरक्षा को लेकर कठघरे में है। भारत दवा उत्पादन के मामले में दुनिया में तीसरे स्थान पर है। यहां से लगभग 200 देशों में दवाओं का निर्यात होता है। भारत का फार्मास्युटिकल मार्केट करीब 60 अरब डॉलर का है और सरकार का लक्ष्य है कि 2030 तक इसे 130 अरब डॉलर तक पहुंचाया जाए। यह उद्योग लाखों लोगों के लिए रोजगार और विदेशी मुद्रा का बड़ा स्त्रोत है, लेकिन इस चमकदार तस्वीर के पीछे एक डरावनी सच्चाई छिपी है, वह है क्वालिटी कंट्रोल और निगरानी का अभाव। भारत में करीब 10,000 से ज्यादा फार्मास्युटिकल निमार्ता हैं, जिनमें बड़ी संख्या छोटी और मध्यम (टरटए) कंपनियों की है। इन कंपनियों में से कई के पास न तो पर्याप्त तकनीकी संसाधन हैं, न ही आधुनिक गुणवत्ता जांच उपकरण। यही कारण है कि बार-बार इनकी दवाएं सब-स्टैंडर्ड यानी निर्धारित मानक से कम गुणवत्ता वाली पाई जाती हैं।

तमिलनाडु की दवा कंपनी श्रीसन फार्मास्युटिकल्स के ह्यकोल्ड्रिफह्न नामक कफ सिरप के नमूने में जो सामने आया, वह किसी साजिश से कम नहीं लगता। इस सिरप में डाई एथिलीन ग्लाइकॉल की मात्रा 48.6% पाई गई, जबकि अंतरराष्ट्रीय मानक के अनुसार यह 0.10% से अधिक नहीं होनी चाहिए। डाई एथिलीन ग्लाइकॉल एक इंडस्ट्रियल केमिकल है, जिसका प्रयोग आमतौर पर गाड़ियों, मशीनों और ब्रेक फ्लुइड में किया जाता है। जब यह शरीर में जाता है तो यह किडनी और लिवर को गंभीर नुकसान पहुंचाता है। राजस्थान और मध्य प्रदेश में जिन बच्चों की मौतें हुईं, उनकी किडनियां पूरी तरह फेल हो गई थीं।

ऐसे में, सवाल उठता है कि इतना बड़ा जहर दवा में कैसे पहुंच गया? क्या यह केवल मानवीय भूल थी, या निगरानी तंत्र की ढिलाई ने इसे संभव बनाया? यह पहली बार नहीं है, जब भारतीय कफ सिरप पर सवाल उठे हों। 2022 में गाम्बिया में 70 से अधिक बच्चों की मौत के बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारत की एक कंपनी के कफ सिरप पर वैश्विक चेतावनी जारी की थी। उसके बाद उज्बेकिस्तान, कैमरून और इराक से भी इसी तरह की शिकायतें आईं। हर बार कहा गया कि जांच होगी, सुधार होंगे, लेकिन घटनाओं की पुनरावृत्ति बताती है कि भारत ने अपनी पिछली गलतियों से कुछ खास नहीं सीखा।

2023 और 2024 में केंद्रीय दवा मानक नियंत्रण संगठन ने कई राज्यों में दवाओं के सैंपल की जांच की थी। 2023 की रिपोर्ट में 65% कंपनियों की दवाएं मानक से नीचे पाई गईं, जबकि 2024 की अप्रैल रिपोर्ट में यह संख्या 68% तक पहुंच गई। यानी, स्थिति सुधारने के बजाय और बिगड़ी है। यह समस्या किसी एक कंपनी या राज्य तक सीमित नहीं है। यह सिस्टम की कमजोरी है, वह सिस्टम जो दवाओं के उत्पादन से लेकर वितरण तक हर चरण पर निगरानी रखने के लिए जिम्मेदार है। भारत में दवाओं की गुणवत्ता की निगरानी दो स्तरों पर होती है – केंद्रीय नियामक और राज्य स्तरीय ड्रग कंट्रोलर, परंतु दोनों के बीच तालमेल और समन्वय की भारी कमी है।

कई राज्यों में ड्रग इंस्पेक्टरों की कमी है। कई जगह एक निरीक्षक सैकड़ों इकाइयों की जांच का जिम्मा संभालता है, जो व्यवहारिक रूप से असंभव है। नतीजा यह होता है कि जांच केवल कागजों पर पूरी हो जाती है। साथ ही, कई बार राजनीतिक या कारोबारी दबाव भी नियामक प्रक्रिया को प्रभावित करते हैं। छोटी दवा कंपनियों पर कार्रवाई करने में स्थानीय प्रशासन झिझकता है, क्योंकि वे स्थानीय रोजगार या राजनीतिक चंदे का स्त्रोत होती हैं। यही लापरवाही आगे चलकर गाम्बिया, उज्बेकिस्तान या अब राजस्थान-मध्य प्रदेश जैसी त्रासदियों में बदल जाती है।

भारत को अक्सर सस्ती दवाओं का केंद्र कहा जाता है। यही वजह है कि अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के कई गरीब देश भारत पर निर्भर हैं। भारत की दवा कंपनियां दुनिया की जेनेरिक मेडिसिन्स का 20% से अधिक हिस्सा बनाती हैं। लेकिन अगर यही सस्ता इलाज मौत का सौदा बन जाए, तो भारत की छवि को गहरी चोट लगना तय है। गाम्बिया घटना के बाद हलड की चेतावनी ने भारत की अंतरराष्ट्रीय साख को हिला दिया था। अब जब घरेलू स्तर पर भी ऐसी घटनाएं हो रही हैं, तो सवाल और गंभीर हो जाते हैं। यह सिर्फ आर्थिक नहीं, नैतिक जिम्मेदारी का प्रश्न भी है। दवा उद्योग में एक छोटी सी गलती हजारों जिंदगियां निगल सकती है, और भारत में बार-बार ऐसा होना हमारी संवेदनहीनता को दशार्ता है। घटना के बाद तमिलनाडु की कंपनी के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। दवाएं वापस ली जा रही हैं, और सीडीएससीओ ने कई राज्यों में जांच के आदेश दिए हैं। लेकिन क्या इससे कुछ बदलेगा?

पिछली घटनाओं में भी यही हुआ, जांच, बयान, रिपोर्ट और फिर भूल जाना। कोई सख्त पॉलिसी रिव्यू या स्ट्रक्चरल सुधार नहीं हुआ। दोषियों को सजा मिलना तो दूर, कई मामलों में चार्जशीट तक दाखिल नहीं की गई।

यदि, भारत को दवा उत्पादन के वैश्विक केंद्र के रूप में अपनी पहचान बचानी है, तो अब पोस्ट-इंसिडेंट एक्शन से आगे बढ़कर प्रिवेंटिव सिस्टम विकसित करना होगा। यानी, ऐसा तंत्र जो इस तरह की घटनाओं को घटित होने से पहले ही रोक सके।

भारत में फार्मा उद्योग का ढांचा असमान है। कुछ बड़ी कंपनियां, जैसे सन फार्मा, डॉ. रेड्डी, सिप्ला या ल्यूपिन, वैश्विक मानकों पर काम करती हैं। इनके पास आधुनिक लैब्स, गुणवत्ता नियंत्रण और अंतरराष्ट्रीय प्रमाणन होते हैं, लेकिन इन बड़ी कंपनियों के नीचे हजारों छोटी और मझोली इकाइयां हैं जो बेहद सीमित संसाधनों में काम करती हैं। यही कंपनियां घरेलू बाजार और ग्रामीण इलाकों की बड़ी जरूरतें पूरी करती हैं। इन एमएसएमई कंपनियों की दवाएं अक्सर स्थानीय बाजारों में सस्ती मिलती हैं, लेकिन इन्हीं में से अधिकांश की मैन्युफैक्चरिंग क्वालिटी पर गंभीर सवाल उठते रहे हैं। सरकार की रिपोर्टों में बार-बार यह कहा गया है कि ये कंपनियां गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिस का पालन नहीं करतीं, और कई बार बिना पर्याप्त लैब टेस्टिंग के ही उत्पाद बाजार में उतार देती हैं।

अब समय आ गया है कि भारत अपने फार्मा सेक्टर की नियामक प्रणाली को संरचनात्मक रूप से पुनर्गठित करे। केवल राज्य स्तर पर जांच करने से काम नहीं चलेगा। हर दवा, हर बैच और हर निमार्ता की जानकारी एक डिजिटल प्लेटफॉर्म पर दर्ज होनी चाहिए, ताकि किसी भी शिकायत की स्थिति में ट्रेसबिलिटी आसान हो। सरकार के अधीन नहीं, बल्कि एक स्वतंत्र निकाय को दवा गुणवत्ता की वार्षिक जांच का अधिकार दिया जाए। जिस कंपनी के उत्पाद में जानलेवा तत्व पाए जाएं, उसका लाइसेंस तुरंत रद्द किया जाए और सीईओ/मालिक पर आपराधिक मुकदमा चले।

डाक सेवा का महत्व, इतिहास एवं भविष्य का पथ

प्रमोद दीक्षित मलय

पत्र या चिट्ठी कागज में लिखित शब्दों का अंबार भर नहीं हैं, अपितु भावनाओं के प्रत्यक्ष प्रकटीकरण का आगार हैं। पत्र हृदय की धीर-पीर भावनाओं का ज्वार सहेजे उर सरिता के तटबंध हैं। पत्र मानव मन की मुक्त मूक अभिव्यक्ति हैं। पत्र अनंत आकाश में उड़ने की अभिलाषा हैं। पत्र मानवीय मयार्दा के प्रकाश स्तंभ हैं तो प्रेरणा के व्योम-वितान भी। पत्र प्रेम, माधुर्य एवं विश्वास के सुखद अनुबंध हैं तो घृणा, कटुता एवं अविश्वास के दुखद सम्बंध भी। पत्र विजय की ओजस्वी फहरती पताका हैं तो पराजय का कांतिहीन दुखद संधि परिचय भी। पत्र वात्सल्य, ममता एवं मनुहार का मृदुल नवनीत हैं तो निर्ममता, डांट, फटकार का कर्कश गीत भी। पत्र उत्साह, उल्लास, उमंग, आशा, मित्रता एवं प्रसन्नता के प्रमुदित बिम्ब हैं तो निरुत्साह, निराशा, शत्रुता एवं अप्रसन्नता के प्रतिबिम्ब भी। सुखःदुख के साझीदार पत्र मानवीय संवेग, संवेदना, सहकार, समुन्नति, सत्कार, संधि एवं समरसता के समृद्ध कोश हैं। निश्चित रूप से पत्र आत्मीय सघन अनुभूतियों के सहज संवाहक हैं। ये पत्र गंतव्य तक पहुंचाने का कार्य कभी प्रशिक्षित पक्षी, हरकारे, विशेष दूत, सैनिक करते थे तो वर्तमान में डाक विभाग। जीवन में पत्रों के महत्व, सूचनाओं के आदान-प्रदान, पत्रों की सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक एवं आर्थिक पक्षों में भागीदारी, भूमिका एवं योगदान से व्यक्तियों को परिचित कराने की दृष्टि से प्रत्येक वर्ष 9 अक्टूबर को यूनीवर्सल पोस्टर यूनियन द्वारा विश्व डाक दिवस का आयोजन किया जाता है। इस अवसर पर डाक विभाग द्वारा डाक टिकट प्रदर्शनी, डाक इतिहास वृत्तचित्र, पत्र लेखन, पोस्टर डिजायन प्रतियोगिताएं एवं गोष्ठियां आयोजित कर विभाग द्वारा डाक प्रेषण एवं वितरण के साथ संचालित अन्य सुविधाओं यथा बीमा, बैंकिंग, व्यापार आदि योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जाता है ताकि आमजन योजनाओं का लाभ उठा सकें।

दुनिया में डाक सेवा को सहज-सुलभ, पारदर्शी, नवाचारी एवं समावेशी बनाने की दृष्टि से विश्व के 22 देशों ने बर्न, स्विट्जरलैंड में 9 अक्टूबर, 1874 को एक समझौते एवं संधि पत्र पर हस्ताक्षर कर जनरल पोस्टल यूनियन का गठन किया था; जो 1 जुलाई, 1875 से अस्तित्व में आया। आगे 1 अप्रैल, 1879 को जनरल पोस्टल यूनियन का नाम परिवर्तित कर यूनीवर्सल पोस्टल यूनियन (यूपीयू) कर दिया गया। वर्ष 1969 को टोक्यो, जापान में आयोजित यूनीवर्सल पोस्टल यूनियन की बैठक में भारतीय प्रतिनिधि आनंद मोहन नरूला ने 7 अक्टूबर को विश्व डाक दिवस के रूप में मनाने का प्रस्ताव रखा जिसे स्वीकार कर उसी वर्ष से आयोजन आरम्भ कर दिए गये जो वर्तमान में लगभग दो सौ देशों में थीम आधारित कार्यक्रम सम्पन्न होते हैं। वर्ष 2025 की थीम है- स्थानीय सेवा, वैश्विक पहुंच। उल्लेखनीय है कि संयुक्त राष्ट्रसंघ ने 1 जुलाई, 1948 को यूनीवर्सल पोस्टल यूनियन को राष्ट्रसंघ की एक विशेष एजेंसी के रूप में मान्यता दी है।

भारत 1 जुलाई, 1876 को यूनीवर्सल पोस्टल यूनियन का सदस्य बना। भारत में डाक सेवा के विकास एवं विस्तार पर दृष्टिपात करें तो भारत में आधुनिक डाक व्यवस्था का आरम्भ वर्ष 1766 में राबर्ट क्लाइव द्वारा हुआ और वारेन हेस्टिंग्स ने 1774 में कलकत्ता में पहला डाकघर स्थापित किया। कालांतर में लार्ड डलहौजी के प्रयत्नों से भारत में डाक विभाग की स्थापना 1 अक्टूबर, 1854 को हुई और उसी वर्ष महारानी विक्टोरिया पर केंद्रित चिपकाने वाला एक डाक टिकट पूरे देश के लिए जारी किया गया, हालांकि उसके दो वर्ष पहले 1852 में सिंध राज्य के आयुक्त सर बटेर्ले फ्रेरे द्वारा जारी टिकट 'सिंध डाक' किसी पत्र पर पहली बार डाक टिकट के रूप में चिपकाया जा चुका था। स्मरणीय है, विश्व का पहला डाक टिकट 'पेनी ब्लैक' 1 मई, 1840 को जारी हुआ था। भारत का डाक विभाग चिट्ठी-पत्र, अखबार, पुस्तकें एवं पत्रिकाएं, वस्तुएं, धन आदि एक स्थान से दूसरे स्थानों तक सामान्य डाक, बुक पोस्ट, पार्सल और रजिस्टर्ड सेवा माध्यम से सुविधाजनक और सुरक्षित ढंग से पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। भारत की सीमा के बाहर पहला डाकघर वर्ष 1983 में अंटार्कटिका महाद्वीप में दक्षिण गंगोत्री में स्थापित किया गया और 1986 में स्पीड सेवा आरम्भ हुई। भारत के डाक इतिहास की संक्षिप्त चर्चा करूं तो 1786 में मद्रास में पहला प्रधान डाकघर खोला गया। वर्ष 1863 में रेल डाक सेवा, 1877 में वीपीपी पार्सल और 1879 में पोस्टकार्ड सेवा तथा वर्ष 1880 में धन भेजने हेतु मनीआर्डर सेवा प्रारंभ हुई थी। हवाई डाक सेवा 1911 में आरम्भ हुई जब इलाहाबाद से नैनी के लिए हवाई डाक पत्र भेजा गया। 1935 में इंडियन पोस्टल आर्डर और 1984 में डाक जीवन बीमा सेवा शुरू हुई। पत्रों को सरलता से सम्बंधित व्यक्ति तक पहुंचाने हेतु 15 अगस्त, 1972 को छह अंकों पर आधारित पिनकोड व्यवस्था का सूत्रपात हुआ, जिसका पहला अंक 1 से 8 तक में कोई एक होता है जो डाक जोन का संकेत करता है। भारत में 9 डाक जोन हैं, 8 सामान्य और 1 सेना के लिए।

डाक विभाग सेवा के बदले प्राप्त मूल्य को डाक टिकटों के माध्यम से स्वीकार करता है। डाक टिकट दो प्रकार के होते हैं- सामान्य एवं स्मारक। सामान्य टिकटों का प्रयोग पत्र आदि में तथा स्मारक टिकट स्मृति एवं डाक टिकट संग्रह के लिए होते हैं जो विशेष अवसरों पर मुद्रित किये जाते हैं। सामान्य पोस्टकार्ड, अंतदेर्शीय पत्र और लिफाफा का न्यूनतम मूल्य डाक टिकट के रूप में अंकित होता है। अन्य सेवाओं के लिए अतिरिक्त डाक टिकट लगाने होते हैं जो विभिन्न मूल्यवर्ग के होते हैं। आपको जानकार आश्चर्य होगा कि भारत के डाक विभाग ने खुशबू वाले डाक टिकट भी जारी किये हैं जिनमें 13 दिसंबर, 2006 को चंदन, 7 फरवरी, 2007 को गुलाब और 26 अप्रैल, 2008 को जूही के फूलों की सुगंध वाले डाक टिकट निर्गत हुए। 1 अक्टूबर, 2004 को भारतीय डाक सेवा के गौरवमय 150 वर्ष पूर्ण हुए थे।

वर्तमान समय डिजिटल क्रांति का है। हर हाथ में सूचना सम्प्रेषण के सशक्त टूल्स उपलब्ध हैं जो अति शीघ्र संदेश, फोटो, पुस्तक एवं पत्र-पत्रिकाओं के पीडीएफ, रुपए आदि सम्बंधित व्यक्तियों तक पहुंचा देते हैं। पर कागज पर लिखे शब्दों की अनुभूति, दृश्य, स्पर्श किसी अन्य माध्य से सम्भव नहीं। आज की पीढ़ी तो पत्र लिखना ही भूल गयी है। वह डाकिया की राह देखती आंखों की व्याकुलता, खुशी और उल्लास को कभी अनुभव नहीं कर पाएगी। प्रिय पाठको! विश्व डाक दिवस के अवसर क्यों न हम अपने किसी रिश्तेदार, परिवार-जन या संगी-साथी को पत्र लिखने का संकल्प लें जिसके अक्षर-अक्षर में आत्मीयता, मधुरता, प्रीति एवं प्रतीति का जीवनरस घुला हो।

लेखक शैक्षिक संवाद मंच उ.प्र. के संस्थापक हैं।?

बदलाव एवं विकास की राह ताकता बिहार चुनाव

ललित गर्ग

बिहार में चुनावी रणभेरी बज चुकी है। मतदान की तिथियों की घोषणा के साथ ही लोकतंत्र का यह महायज्ञ आरंभ हो चुका है, जिसमें करोड़ों मतदाता दो चरणों में दिनांक 6 और 11 नवंबर को अपने मत के माध्यम से राज्य की दिशा और दशा दोनों तय करेंगे। इस बार का चुनाव सिर्फ सत्ता परिवर्तन का नहीं, बल्कि विचार और व्यवस्था परिवर्तन का चुनाव है। बिहार लंबे समय से जिस पिछड़ेपन, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और अराजकता की बेड़ियों में जकड़ा रहा है, उससे मुक्ति का यह अवसर है। 14 नवंबर को मतगणना के साथ बिहार में नई सरकार की तस्वीर सामने होगी, लेकिन राज्य में सियासत जिस तरह आकार ले रही है, मतदान तक कई उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं। बिहार के राजनीतिक इतिहास पर नजर डालें तो यह धरती कभी बुद्ध की करुणा और चाणक्य की नीति की जननी रही है, लेकिन आज वही बिहार कानून व्यवस्था की विफलताओं, जातिवाद की जंजीरों और विकासहीनता की विवशताओं से जूझ रहा है। सड़कें टूटी हैं, शिक्षा व्यवस्था जर्जर है, चिकित्सा तंत्र कमजोर है, और रोजगार की तलाश में हर साल लाखों युवा अपनी मातृभूमि छोड़ने को विवश हैं। ऐसे में यह चुनाव एक सामाजिक जागृति का अवसर भी है, जब मतदाता केवल चेहरे नहीं, चरित्र और चिंतन को वोट देंगे।

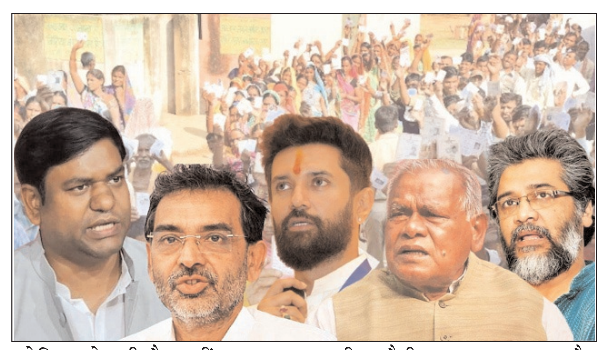

राजनीतिक दल अपनी-अपनी घोषणाओं, वादों और दृष्टि-पत्रों के साथ मैदान में हैं। कोई ह्लनया बिहारह्व बनाने का नारा दे रहा है, तो कोई ह्लविकसित बिहारह्व का। लेकिन सवाल यह है कि क्या घोषणाओं से बिहार का भाग्य बदलेगा, या फिर यह चुनाव भी परंपरागत नारों और जातीय समीकरणों के हवाले हो जाएगा? यह समय है कि जनता दलों से नहीं, दिशा से जुड़ाव करे; नारे से नहीं, नैतिकता से संवाद करे। पिछले दो दशकों से नीतीश कुमार बिहार का चेहरा बने हुए हैं और यह चुनाव भी अलग होता नहीं दिख रहा। मूल सवाल यही है कि क्या नीतीश को एक और मौका जनता देगी? राज्य में एनडीए ने उन्हें आगे कर रखा है और महागठबंधन से सीधी टक्कर मिल रही है। 2005 से नीतीश कुमार बीच के कुछ समय को छोड़ कर सत्ता पर काबिज हैं। इस दौरान उन्होंने 9 बार शपथ ली और कई बार पाला बदला। गठबंधन के साथी बदलते रहने और कम सीटों के बावजूद मुख्यमंत्री वही बने। इसके पीछे उनकी अपनी ह्यसुशासन बाबूह्न की छवि भी है, लेकिन अब इसे चुनौती मिल रही है। पहली बार नीतीश सरकार को भ्रष्टाचार के आरोपों में घेरने की कोशिश हो रही है। वहीं, कानून-व्यवस्था का मामला भी चिंता बढ़ाने वाला है। हाल के महीनों में पटना में व्यवसायी गोपाल खेमका और हॉस्पिटल में घुसकर गैंगस्टर की हत्या ने सरकार की परेशानी बढ़ाई। नीतीश और भाजपा ने लालू-राबड़ी यादव के कार्यकाल को हर चुनाव में जंगलराज की तरह पेश किया, पर अब सवाल विपक्षी दल पूछ रहे हैं। यह चुनाव ऐसे अनेक सवालों के घेरे में हैं।

विकास पर जोर के बावजूद बिहार की राजनीति में जाति एक निर्णायक कारक है। हर पार्टी की चुनावी रणनीति समुदाय आधारित लामबंदी से गहराई से प्रभावित है। दोनों प्रमुख गठबंधन एनडीए ओर महागबंधन सीट बंटवारे की बातचीत में उलझे हैं। 243 विधानसभा सीटों में से गठबंधन में से किस पार्टी को कितनी सीटें मिलेंगी और किसे कोन-सी सीट मिलेगी, यह विवाद का विषय है। पिछले विधानसभा चुनाव में एनडीए और महागठबंधन के बीच सीधा मुकाबला हुआ था- इस बार समीकरण में प्रशांत किशोर की जन सुराज भी है, जो भ्रष्टाचार ओर पलायन का मुद्दा उठाए हुए हैं। कुछ और भी नये राजनीतिक दल मैंदान में हैं। बिहार की सबसे बड़ी चुनौती कानून व्यवस्था और प्रशासनिक सुदृढ़ता की है। आए दिन होने वाली अपराध घटनाएं और अराजकता ने राज्य की छवि को धूमिल किया है। एक ऐसा शासन चाहिए जो भयमुक्त समाज दे सके, जहां नागरिक सुरक्षित महसूस करें, जहां अपराध पर अंकुश हो और न्याय त्वरित मिले। विकास तभी संभव है जब विश्वास का माहौल बने।

बिहार की राजनीति में इस बार कई नए दल और कई पुराने चेहरे नए दल के साथ दिखाई देने वाले हैं। प्रशांत किशोर की पार्टी ह्यजनसुराजह्न, तेजप्रताप यादव की पार्टी जनशक्ति जनता दल, उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा और पशुपति पारस की राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी पहली बार बिहार विधानसभा के चुनाव में नजर आने वाली है। ऐसे में सभी दल चुनावी जंग में ताल ठोकने को तैयार है। मगर देखने वाली बात ये होगी कि कौन सी पार्टी अपना कितना दम दिखा पाती है? क्या प्रशांत किशार की पार्टी उनके दावे के अनुसार प्रदर्शन करती है या फुस्स साबित होती है, वहीं, तेजप्रताप यादव अपनी पार्टी बनाकर तेजस्वी यादव को कितना झटका देते है। यह सब अब चुनाव के परिणाम पर तय होगा। साथ ही यह भी तय होगा कि कौन सी पार्टी अपना अस्तित्व बचा पाती है कौन नहीं? यह चुनाव बिहार की आत्मा को झकझोरने वाला क्षण है। यहां की जनता अब सिर्फ रोटी-कपड़ा-मकान नहीं, बल्कि शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, और सम्मानजनक जीवन चाहती है। यह चुनाव इस आकांक्षा का प्रतीक है। जो भी दल इस वास्तविकता को समझेगा, वही बिहार का भविष्य गढ़ पाएगा।

आज बिहार के मतदाता अधिक सजग एवं विवेकशील हैं। वे जानते हैं कि सत्ता परिवर्तन से अधिक जरूरी है संस्कृति परिवर्तन, राजनीतिक शुचिता और प्रशासनिक जवाबदेही। यह चुनाव केवल विधानसभा की सीटें तय नहीं करेगा, बल्कि यह तय करेगा कि क्या बिहार अपनी पुरानी परछाइयों से निकलकर प्रकाश की ओर बढ़ पाएगा। क्योंकि बिहार में पिछड़ेपन, भ्रष्टाचार, अराजकता की चर्चा होती रहती है, इसलिये यह स्वाभाविक है कि राज्य का विकास, कानून व्यवस्था एवं रोजगार का मुद्दा भी पक्ष-विपक्ष के बीच एक प्रमुख चुनावी मुद्दा होगा। हालांकि पिछली सरकारों के दौर में बिहार बदहाली के दौर से काफी निकल चुका है और विगत दो दशक में यहां की स्थितियां काफी बदली है। इस बार बिहार चुनाव बदला-बदला होगा, इसकी आहट उन घोषणाओं से भी मिलती है, जो नीतीश सरकार ने की हैं। महिलाओं, दिव्यांगों और बुजुर्गों के लिए पहली बार इस पैमाने पर ऐलान किए गए हैं। वहीं आरजेडी और कांग्रेस ने पूछा है कि इसके लिए पैसा कहां से आएगा? जनता वादों पर भरोसा करती है या बदलाव संग जाती है, जवाब मिलने में ज्यादा वक्त नहीं लगेगा।

वैसे, बिहार चुनाव का इतना ज्यादा महत्व कोई नई बात नहीं है। विगत दो दशक से एक विशेष क्रम बना हुआ है। लोकसभा चुनाव के अगले साल बिहार विधानसभा के चुनाव होते हैं। केंद्र में जो पार्टी विपक्षी गठबंधन में रहती है, वह बिहार विधानसभा चुनाव में अपना पूरा जोर लगा देती है, जिससे चुनाव कुछ ज्यादा रोचक एवं उत्तेजक बन जाता है। सियासी स्थिति का आकलन करें, तो बिहार में लगभग बीस साल शासन के बावजूद जनता दल यूनाइटेड या नीतीश कुमार की ताकत को कोई भी खारिज नहीं कर रहा है। भाजपा पूरी मजबूती से नीतीश कुमार के साथ खड़ी है, ताकि सत्ता बनी रहे। दूसरी ओर, राष्ट्रीय जनता दल के नेतृत्व वाला महागठबंधन अभी नहीं, तो कभी नहीं वाले अंदाज में जोर लगा रहा है। लोकतंत्र की इस परीक्षा में बिहार एक नई इबारत लिख सकता है-एक ऐसा बिहार जो शिक्षित हो, संगठित हो, और सजग हो। जहां राजनीति सेवा का माध्यम बने, संघर्ष का नहीं; जहां सत्ता संवेदना की भाषा बोले, स्वार्थ की नहीं। बिहार का यह जनादेश वास्तव में इतिहास रच सकता है-यदि जनता ह्लजातिह्व नहीं, ह्लन्यायह्व को चुने; ह्लवादाह्व नहीं, ह्लविश्वासह्व को चुने। यह चुनाव बिहार के भाग्य परिवर्तन की कुंजी बन सकता है-बशर्ते हम सब मिलकर कहें- अब की बार, सुशासन और सुधार।

डा सुधा नन्द झा ज्यौतिषी द्वारा प्रस्तुत मिथिला दैनिक राशिफल

डा सुधा नन्द झा

मेष- सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है। शुभांक-3-5-7

वृष- परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्ययभार बढ़ेगा। किसी की टीका-टिप्पणी से आपको परेशानी हो सकती हैं। शुभांक-2-4-5

मिथुन- विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। शुभांक-2-4-6

कर्क- पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार पक्ष से थोड़ी ड्ढ्रषचता रहेगी। शुभांक-1-3-5

सिंह- दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता हैं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मड्ढ्रषचतन करें। पुराने

मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शुभांक-4-6-8

कन्या- अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अपने हित के काम सुबह-सवेरे निपटा लें। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। शुभांक-2-3-5

तुला- कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। शुभांक-2-5-6

वृश्चिक- कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-4-6

धनु- संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। शुभांक-3-5-6

मकर- शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा परिणाम शुभ रहेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। शुभांक-2-4-6

कुंभ- विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-3-5-7

मीन- व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढग की परेशानियां पैदा करेगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोंगो को आश्चर्य में डाल देगें। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा। शुभांक-2-5-6

डा सुधा नन्द झा ज्यौतिषी जमशेदपुर झारखंड मो एवं वाट्सअप नंबर 9430336503

यूसिल के द्वारा निर्धारित दिशा निर्देश पर पंडाल का थीम को दशार्ने पर पूजा कमेटी हुए पुरस्कृत

राष्ट्र संवाद संवाददाता

यूसील प्रबंधन के द्वारा इस वर्ष जादूगोड़ा के यूसील कॉलोनी के पूजा पंडाल , जादूगोड़ा मोड एवं नवरंग मार्केट में बने हुए लगभग 6 पूजा पंडाल को पर्यावरण की रक्षा एवं यूसिल के द्वारा निर्धारित दिशा निर्देश पर पंडाल का थीम को दशार्ने पर पुरस्कृत किया गया है । यूसील के द्वारा पर्यावरण सुरक्षा पर ध्यान दी जा रही है इस अवसर पर यूसिल प्रबंधन के द्वारा यह ऐलान किया गया था जो पंडाल पर्यावरण के रक्षा में सहयोग पर्यावरण रक्षा को पूरी तरह से अपनाते हुए पंडाल का निर्माण करेगा एवं स्वच्छता पर ध्यान देगा साथ ही साथ सुरक्षा व्यवस्था एवं सभी व्यवस्था को दुरुस्त करने वाले पंडाल को पुरस्कार भी दिया

जाएगा।

यूसील द्वारा निर्धारित चयन कमेटी के द्वारा सभी पंडाल का निरीक्षण करने के बाद अपना निर्णय को यूसिल प्रबंधन को सौंप दिया उनके आधार पर

जिसमें यूसील के सामुदायिक भवन के सामने बने श्री श्री सार्वजनिक दुर्गा पूजा पंडाल को प्रथम पुरस्कार ,जादूगोड़ा श्री श्री सार्वजनिक दुर्गा पूजा मोड कमेटी को द्वितीय पुरस्कार एवं शिव मंदिर पूजा कमेटी को तृतीय पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया साथ ही साथ गांधी मार्केट पूजा कमेटी नवरंग मार्केट पूजा कमेटी एवं ए टाइप पूजा कमेटी को सांत्वना पुरस्कार भी दिए गए मुख्य अतिथि के रूप में आए हुए यूसिल कार्मिक के अधिकारी राकेश कुमार के द्वारा सभी पूजा पंडाल को मोमेंटोस देकर पुरस्कृत किया गया ।

साथ ही साथ कमेटी के अध्यक्ष को फूलों का गुलदस्ता देकर सम्मानित किया गया।

प्रथम पुरस्कार वाले को नगद 5000 ,द्वितीय पुरस्कार पाने वाले

को नगद 3000 एवं तृतीय पुरस्कार पाने वाले को नगद ?2000 देकर भी सम्मानित कियागया।

एवं सभी पूजा कमेटी के सदस्यों को पौधे देकर पर्यावरण रक्षा का संदेश भी दिया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में आए हुए यूसिल कार्मिक के अधिकारी राकेश कुमार ने बताया किबताया कि पर्यावरण की रक्षा करना हम सब की जिम्मेवारी है साथ ही साथ क्षेत्र के विकास एवं उन्नति में यूसिल का काफी योगदान है सभी लोगों को यूसिल का भी सहयोग करना चाहिए जिससे सकारात्मक माहौल बन सके।

कंपनी और भी क्षेत्र में बढ़-चढ़कर विकास का काम कर सके कंपनी के होने से ही क्षेत्र में सभी सुविधा मिल रही है और भी हम लोगों के द्वारा प्रयास किया जाएगा कि लोगों की सुविधा मिले ।

यूसिल के अधिकारी तपाधिर भट्टाचार्य ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा करना हम सब की जिम्मेवारी है साथ ही साथ सभी दुकानदार को डस्टबिन भी दी जाएगी एवं उन्होंने सभी कमेटी के सदस्यों को पौधा भी दिया।

इस अवसर पर आए हुए कमेटी के सदस्यों ने यूसिल प्रबंधन के इस प्रयास की काफी सराहना की है और कमेटी के सदस्यों कहना है यह यूसिल का काफी मनोबल बढ़ाने वाला प्रयास है।

इस अवसर पर यूसिल के अधिकारी में यूसिल के कार्मिक अधिकारी राकेश कुमार, तपाधिर भट्टाचार्य, संदीप भगत, कृष्णा मूर्ति एवं पूजा कमेटी के सदस्यों में शामिल थे सुशील अग्रवाल, गोपाल सहा, आशीष राणा, अनिल अग्रवाल, प्रणव घोष , दे अतनु सरकार ,ददन पंडित, जयकांत शर्मा ,मनोज नायक ,रमेश सिंह ,जितेंद्र सिंह एवं शामिल थे।

सार-संक्षेप

डॉक्टर बी मंडल हत्या कांड के आरोपी चंदन गोप का जमानत हाई कोट में रिजेक्ट

राष्ट्र संवाद संवाददाता

पोटका। राजनगर कांड संख्या 63/2024 के अभियुक्त चंदन गोप के बेल की सुनवाई आज जस्टिस अम्बुज नाथ के न्यायालय में हुआ। जिसमें चंदन गोप का बेल रिजेक्ट कर दिया गया। विदित हो कि गत 29 अगस्त 2024 को राजनगर प्रखंड अंतर्गत छोटा सिजुलता के चिकित्सक बी मंडल का अपहरण कर हत्या कर दिया गया था।। उच्च न्यायालय ने सुनवाई के पश्चात आरोपी चंदन गोप की जमानत याचिका खारिज कर दी है। इसके पूर्व आरोपी रोहित सिंह उर्फ रावण एवं त्रिदेव गोप की जमानत याचिका भी माननीय उच्च न्यायलय द्वारा पूर्व में खारिज किया जा चुका है .

महामहिम राज्यपाल को सौंपा गया श्री श्याम जन्म महोत्सव का निमंत्रण

राष्ट्र संवाद संवाददाता

चांडिल श्री श्याम कला भवन के अध्यक्ष संजय चौधरी की अगुवाई में प्रतिनिधि मंडल ने झारखंड के राज्यपाल महामहिम संतोष गंगवार को 29वें श्री श्याम जन्म महोत्सव का निमंत्रण पत्र सौंपा।

इस दौरान संजय चौधरी ने महामहिम को संस्था की धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कोरोना महामारी के दौरान श्री श्याम कला भवन ने जरूरतमंदों के बीच निशुल्क भोजन, मास्क, सैनिटाइजर, ऑक्सीमीटर, ऑक्सीजन सिलेंडर और वेपोराइजर मशीन वितरित किए थे।

इसके साथ ही संस्था ने विलुप्तप्राय आदिम जनजातियों की बस्तियों में खाद्यान्न सामग्री, कंबल, कपड़े, स्कूल बैग, कॉपी-पेंसिल आदि जरूरतमंद बच्चों को उपलब्ध कराए।

राज्यपाल संतोष गंगवार ने संस्था द्वारा सीमित संसाधनों के बावजूद ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार 29 वर्षों से किए जा रहे धार्मिक और सामाजिक कार्यों की सराहना की। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे कार्यक्रम में शामिल होने के निमंत्रण पर समयानुसार प्राथमिकता के आधार पर विचार करेंगे।

इस अवसर पर संस्था के उपाध्यक्ष राजीव गुप्ता, संजय शर्मा और अश्वनी शर्मा भी उपस्थित थे।

अनियंत्रित बाइक रेलिंग से टकराई, युवक गंभीर रूप से घायल

राष्ट्र संवाद संवाददाता

चांडिल थाना क्षेत्र के रांची-जमशेदपुर मार्ग स्थित जयदा ब्रिज के पास गुरुवार दोपहर एक सड़क दुर्घटना में एक अनियंत्रित बाइक साइड रेलिंग से टकरा गई, जिससे सवार युवक उछलकर करीब 15 फीट दूर झाड़ियों में जा गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना दोपहर लगभग 3:45 बजे की बताई जा रही है। हादसे की सूचना मिलते ही राहगीरों ने तुरंत चांडिल थाना पुलिस को सूचित किया। पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को एंबुलेंस से जमशेदपुर टाटा मेन हॉस्पिटल भेजा गया।

घायल युवक की पहचान रवि सिंह सरदार (19 वर्ष), निवासी झ रूदिया के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, वह दोपहर करीब 2:30 बजे घर से निकला था और चौका की ओर से लौटते समय यह हादसा हो गया।

पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

उपायुक्त नितिश कुमार सिंह की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री जन-मन एवं आदि कर्मयोगी अभियान की समीक्षा बैठक संपन्न

राष्ट्र संवाद संवाददाता

सरायकेला:समाहरणालय सभागार में उपायुक्त नितिश कुमार सिंह की अध्यक्षता में ह्लप्रधानमंत्री जन-मन एवं आदि कर्मयोगी अभियानह्व की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। उपायुक्त ने कहा कि अभियान का उद्देश्य आदिम जनजातीय ग्रामों व वंचित परिवारों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है।

उन्होंने स्वास्थ्य, शिक्षा, आवास, आजीविका और डिजिटल सशक्तिकरण योजनाओं के समेकित क्रियान्वयन पर जोर दिया। सभी विभागों को निर्देश दिया गया कि शिविरों के माध्यम से योजनाओं की पहुंच बढ़ाएं, आवास व विकास कार्यों में तेजी लाएं, वन धन केंद्र सक्रिय रखें और युवाओं को कौशल प्रशिक्षण से जोड़ें।

बैठक में उप विकास आयुक्त रीना हांसदा, डीआरडीए निदेशक डॉ. अजय तिर्की सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

पोटका से सैकड़ों की संख्या में आदिवासी समुदाय जन आक्रोश रैली में भाग लिए

राष्ट्र संवाद संवाददाता

रैली में जाने से पूर्व बिरसा मुंडा को माला पहनाया गया।

पोटका। आदिवासी बचाओ संघर्ष मोर्चा के तत्वाधान में गुरुवार को हाता बिरसा मुंडा चौक से आदिवासी बचाओ जन आक्रोश रैली में भाग लेने सैंकड़ों की संख्या में आदिवासी समुदाय जमशेदपुर गए। इसके पूर्व विभिन्न गांवों से आदिवासी समाज के महिला पुरूष हाता चौक पहुंचे। यहां भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पूजा अर्चना किया, तदुपरांत आदिवासी एकता जिंदाबाद, कुड़मी समुदाय इतिहास मिटाना बंद करो जैसे नारे लगाए। मौके पर मोर्चा के नेता महीन सरदार, महावीर

सरदार,जूनिता सरदार ने कहा कि कुड़मियों द्वारा आदिवासी का दर्जा देने हेतु इतिहास को मिटाने का प्रयास किया जा रहा है। कुड़मी समुदाय पूर्व में भी आदिवासी बनाने की मांग उठाए, लेकिन उनकी मांग नहीं मानी गई। हाई कोर्ट द्वारा भी मांग को खारिज कर दिया गया। आज हमारा हक छीनने की कोशिश हो रही है, इसलिए हम एकजुट होकर विरोध कर रहे हैं। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार को चेतावनी दी कि आदिवासी समाज के साथ अन्याय हुआ तो जोरदार आंदोलन होगा। रैली में पंसस रघुनाथ सरदार,धिरेन सरदार, ग्राम प्रधान भीमसेन सरदार व भुगनू सरदार, हिमांशु सरदार,रमानाथ सरदार,मधु सरदार,बलदेव सरदार, नंदलाल सरदार, श्रीकांत सरदार,जयपाल मुंडा,मानिक सरदार,सुभाष सरदार,गोपेन सरदार, सुधीर सरदार,श्यामल सरदार, रीता सरदार, सेवती सरदार, अंजलि सरदार सरस्वती सरदार सहित सैंकड़ों लोग शामिल थे।

जिला स्तरीय सीनियर पुरुष फ्री स्टाइल, ग्रीको रोमन स्टाइल एवं महिला कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन

राष्ट्र संवाद संवाददाता

गम्हरिया।झारखंड के पलामू में होने वाले 26वीं सीनियर राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता के खिलाड़ियों के चयन हेतु जिला कुश्ती संघ की ओर से एक दिवसीय जिला स्तरीय सीनियर पुरुष फ्री स्टाइल, ग्रीको रोमन स्टाइल एवं महिला कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। गम्हरिया के टीजीएस कॉलोनी स्थित अंत्योदय क्लब प्रांगण में आयोजित प्रतियोगिता में जिले के काफी संख्या में खिलाड़ियों ने भाग लिया। इस दौरान बेहतर खेल के आधार पर पुरुष व महिला वर्ग के जिला स्तरीय टीम के खिलाड़ियों का चयन किया गया। संघ के अध्यक्ष सुनील कुमार सिंह ने बताया कि इस ट्रायल प्रतियोगिता के पश्चात

पुरुष वर्ग के फ्री स्टाइल शैली में नीरज कुमार, माइकल मार्डी, अमित महतो, दीपक कुमार व श्याम सुंदर महतो, ग्रीको रोमन शैली में रोहित गुप्ता, विश्वजीत महतो, गुरुपद सिंह मुंडा व फनीभूषण महतो तथा महिला वर्ग में पुष्पा सिंह मुंडा, चन्दना सिंह व कुमारी बिंदुमती मुंडा का चयन किया गया। बताया कि चयनित सभी खिलाड़ी उक्त राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में सरायकेला-खरसावां जिला टीम की ओर से खेलेंगे। इस प्रतियोगिता के सफल आयोजन में संघ के अध्यक्ष सुनील कुमार सिंह, सचिव अखिलेश्वर प्रसाद, जिला हॉकी संघ के सचिव अमित कुमार मोदक, प्रणय रॉय आदि का प्रमुख योगदान रहा। इस दौरान निर्णायक की भूमिका में सुरेश नारायण चौधरी, जावेद अख्तर, अजीत सोरेन, बलराम महतो, प्रसन्न मंडल, संजय हेंब्रम, राजेश लोहरा, बबली टुडू आदि मौजूद रहे।

औद्योगिक क्षेत्र, गम्हरिया के सूत्रधार डी.के. पुरन्दरे नहीं रहे

राष्ट्र संवाद संवाददाता
मृत्युंजय बर्मन

नीलाचल आयरन लिमिटेड से लेकर वल्लभ स्टील तक झारखंड के औद्योगिकीकरण की कहानी में उनका नाम अमिट रहेगा

बिहार से अलग होकर झारखंड राज्य बनने के बाद औद्योगिक विकास की नींव रखने वाले प्रमुख सूत्रधारों में शामिल सोनारी आशियाना गार्डन निवासी डी.के. पुरन्दरे का बुधवार को 81 वर्ष की आयु में पुणे स्थित अपने पैतृक आवास पर निधन हो गया। वे पिछले कुछ समय से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे थे। उनके निधन की खबर से आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र सहित जमशेदपुर के औद्योगिक जगत में

शोक की लहर दौड़ गई।

औद्योगिक विकास के अग्रदूत

डी.के. पुरन्दरे ने पुणे से धात्विक विज्ञान में इंजीनियरिंग की डिग्री प्राप्त की थी। पढ़ाई के बाद वे जमशेदपुर आए और उद्योग जगत से सक्रिय रूप से जुड़े। औद्योगिक कानून और मानव संसाधन प्रबंधन की गहरी समझ रखने वाले पुरन्दरे ने काण्ड्रा स्थित नीलाचल आयरन लिमिटेड के स्थापना काल से ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वर्ष 2002 में संयंत्र से उत्पादन शुरू होने तक उन्होंने कंपनी को अपने अनुभव और मार्गदर्शन से नई दिशा दी।

वल्लभ स्टील, दुगधा (गम्हरिया) की सफलता में भी योगदान

पुरन्दरे की दक्षता को देखते हुए

लुधियाना के ओसवाल ग्रुप ने उनसे संपर्क किया और दुगधा, गम्हरिया में स्पंज आयरन प्लांट लगाने का प्रस्ताव दिया। उनकी मेहनत और दूरदृष्टि के बल पर वर्ष 2004 में वल्लभ स्टील में उत्पादन आरंभ हुआ।

बाद में उन्होंने चीफ रेसिडेंसियल एग्जिक्यूटिव के रूप में कार्य करते हुए आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र में प्रामिस इंडस्ट्रीज की स्थापना साझेदारी में की थी।

लियाजनिंग के मास्टर और सरल व्यक्तित्व के धनी

कॉर्पोरेट जगत में पुरन्दरे अपनी विद्वता, विनम्रता, वाकपटुता और आकर्षक व्यक्तित्व के लिए पहचाने जाते थे। औद्योगिक क्षेत्र में उन्हें लियाजनिंग का मास्टर पीस कहा जाता था। उनकी कार्यशैली ने कई कंपनियों को न केवल उद्योग स्थापित करने में सहायता दी, बल्कि रैयतों के साथ बेहतर संबंध बनाने की संस्कृति भी विकसित की।

समाजसेवा और संगीत से भी था गहरा जुड़ाव

डी.के. पुरन्दरे ने सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन में भी उल्लेखनीय योगदान दिया। वे महाराष्ट्र हितकारी मंडल, जमशेदपुर की कार्यकारिणी के प्रमुख सदस्य रहे और समाजसेवी के रूप में उनकी विशिष्ट पहचान थी। कला के क्षेत्र में वे क्लासिकल संगीत के पारखी थे और जमशेदपुर में आयोजित सुर-संगीत कार्यक्रमों में नियमित रूप से शामिल होते थे।

औद्योगिक जगत में शोक की लहर

उनके निधन पर औद्योगिक जगत के कई वरिष्ठ लोगों ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। शोक जताने वालों में जी.डी. बाजपेयी, पी.वी. नरसिंहम, नाजिम खान, शैलेन्द्र पांडे, अनिल गोराई, राजेश झा, जी.एन. झा, मनोज खत्री, बी.एस. मेहरा, दिनेश राणा, आर.के. सिंह, सरस श्रीवास्तव, जगन्नाथ सरकार और योगेश प्रधान शामिल हैं।

डी.के. पुरन्दरे को जमशेदपुर और झारखंड के औद्योगिक इतिहास में हमेशा उस व्यक्तित्व के रूप में याद किया जाएगा, जिसने रैयतों से भूमि लेकर औद्योगिकीकरण की पहली ठोस नींव रखी थी।

डुमरिया के पूर्व नक्सली महेश्वर मुर्मू लड़ेंगे जिला परिषद चुनाव, 22 साल बाद भी नहीं मिला सरेंडर पॉलिसी का लाभ

राष्ट्र संवाद संवाददाता

जादूगोड़ा:डुमरिया के पूर्व नक्सली महेश्वर मुर्मू अब मुख्यधारा से जुड़कर सामान्य जीवन बिता रहे हैं और खेती-किसानी के जरिए अपनी जीविका चला रहे हैं। महेश्वर मुर्मू ने बताया कि आने वाले जिला परिषद चुनाव में वे जनता की सेवा के उद्देश्य से उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतरने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर जनता उन पर विश्वास जताएगी तो वे जिला परिषद चुनाव लड़ेंगे और जनता की समस्याओं को उपायुक्त स्तर तक पहुंचाकर उनका समाधान करवाने का प्रयास करेंगे।

डुमरिया-हरिना सड़क की बदहाल स्थिति पर जताई चिंता

महेश्वर मुर्मू ने डुमरिया-हरिना सड़क की खराब हालत पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि इस सड़क का शिलान्यास करीब 10 साल पहले हुआ था, लेकिन निर्माण कार्य आज तक पूरा नहीं हुआ। जगह-जगह गड्ढे बन गए हैं और आवागमन मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा कि जनता परेशान है, लेकिन जनप्रतिनिधि मौज-मस्ती में व्यस्त हैं और केवल बयानबाजी कर रहे हैं।

22 साल बाद भी नहीं मिला सरेंडर पॉलिसी का लाभ

महेश्वर मुर्मू ने बताया कि उन्होंने 23 जुलाई 2003 को तत्कालीन एसपी अरुण उरांव के समक्ष हथियार के साथ आत्मसमर्पण किया था। उस समय उन्हें सरकार द्वारा घर और आर्थिक सहायता देने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन आज तक कोई लाभ नहीं मिला। उन्होंने कहा कि अब अधिकारी भी पूछने नहीं आते।

महेश्वर मुर्मू का कहना है कि वे अब पूरी तरह समाज की मुख्यधारा में लौट चुके हैं और चाहते हैं कि सरकार सरेंडर पॉलिसी के तहत उन्हें न्याय दे, ताकि वे सम्मानजनक तरीके से समाज की सेवा कर सकें।

उत्पाद विभाग की टीम ने कांड्रा क्षेत्र में दो शराब अड्डों पर छापेमारी कर अवैध महुआ शराब किया बरामद, जावा महुआ किया गया विनष्ट

राष्ट्र संवाद संवाददाता

गम्हरिया।उपायुक्त के निदेर्शानुसार जिला उत्पाद अधीक्षक सौरभ तिवारी के पर्यवेक्षण में प्राप्त गुप्त सूचना के आलोक में गुरुवार को कांड्रा थाना अंतर्गत मोहनपुर जंगल एवं रायपुर गाँव स्थित अवैध शराब अड्डों पर विभाग की टीम द्वारा छापेमारी की गई। इस क्रम में 80 लीटर अवैध महुआ शराब बरामद कर उसे जब्त किया गया तथा करीब 1100 किलोग्राम जावा महुआ को नष्ट किया गया। अवैध शराब अड्डा संचालकों की पहचान मोटू टुडू एवं जयपाल हांसदा के रूप में की गई है। दोनों अभियुक्तों के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तारी हेतु आवश्यक कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। उत्पाद अधीक्षक ने बताया कि जिले में अवैध शराब निर्माण, परिवहन एवं बिक्री पर रोक लगाने हेतु विशेष

अभियान चलाया जा रहा है। इस क्रम में सभी प्रखंडों एवं थाना क्षेत्रों में सतत गश्ती एवं छापेमारी अभियान संचालित किए जा रहे हैं।

उन्होंने आमजन से अपील किया है कि यदि किसी क्षेत्र में अवैध शराब निर्माण अथवा बिक्री की गतिविधि की जानकारी हो तो संबंधित सूचना उत्पाद विभाग या नजदीकी थाना को तुरंत सूचना उपलब्ध कराएं ताकि त्वरित कार्रवाई की जा सके।

उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि आगामी दिनों में त्योहारों के दृष्टिगत अवैध शराब की बिक्री एवं परिवहन पर विशेष निगरानी रखी जाए तथा दोषियों के विरुद्ध शून्य सहनशीलता नीति के तहत कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी सुबीर रंजन द्वारा कांड्रा क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न मिठाई दुकानों, होटल एवं रेस्टोरेंटों का औचक निरीक्षण

राष्ट्र संवाद संवाददाता

गम्हरिया।आगामी पर्व त्योहारों के मद्देनजर जिला अभिहित अधिकारी सह अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी सुबीर रंजन द्वारा गुरुवार को कांड्रा क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न मिठाई दुकानों, होटल एवं रेस्टोरेंटों का औचक निरीक्षण किया गया। इस क्रम में उन प्रतिष्ठानों की स्वच्छता व्यवस्था, उपयोग की जा रही खाद्य सामग्री की गुणवत्ता, भंडारण की स्थिति एवं खाद्य उत्पादों के लेबलिंग मानकों की जांच की गई। निरीक्षण के दौरान विभिन्न दुकानों से खाद्य पदार्थों के नमूने एकत्र किए गए, जिन्हें जांच हेतु राज्य खाद्य प्रयोगशाला, नामकुम भेजा जा रहा है। जांच प्रतिवेदन प्राप्त होने के उपरांत खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों के अंतर्गत विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान

खाद्य व्यवसाय संचालकों को सभी अनिवार्य रूप से फूड लाइसेंस प्राप्त कर ही व्यवसाय संचालित करने, अपने प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई, स्वच्छता एवं हाइजीन मानकों का पालन सुनिश्चित करने और केवल गुणवत्तायुक्त एवं ताजा खाद्य सामग्री का ही उपयोग एवं विक्रय करने का निर्देश दिया गया। उन्हें यह भी निर्देशित किया गया कि बासी, एक्सपायर अथवा सड़ी-गली खाद्य सामग्री को तुरंत नष्ट करें तथा निर्माण कार्य में केवल गुणवत्तायुक्त सामग्री एवं एफएसएसएआई प्रमाणित फूड कलर का ही निर्धारित मात्रा में उपयोग करें। सभी पैकेज्ड खाद्य पदार्थों पर लाइसेंस नंबर, निर्माण तिथि, एक्सपायरी तिथि एवं निमार्ता का पूरा पता स्पष्ट रूप से अंकित होना अनिवार्य है, ताकि उपभोक्ताओं को सुरक्षित एवं मानक अनुसार खाद्य सामग्री प्राप्त हो सके।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से महाराष्ट्र के प्रवासी राजस्थानियों ने की मुलाकात

जयपुर,एजेंसी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास पर महाराष्ट्र से आए 'राजस्थान प्रकोष्ठ' के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने राजस्थान एवं महाराष्ट्र के मध्य सामाजिक एवं आर्थिक एक्सचेंज प्रोग्राम सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। राज्य में प्रचुर मात्रा में सौर ऊर्जा, खनिज सम्पदा का भंडार, बिजली-पानी की पर्याप्त उपलब्धता और निवेश अनुकूल नीतियां है। उन्होंने प्रवासी राजस्थानियों से इस निवेश-परक वातावरण का लाभ उठाते हुए प्रदेश में अधिक से अधिक निवेश की अपील की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार निवेशकों को उद्यम स्थापित करने में हरसंभव मदद करेगी। इस दौरान श्री शर्मा ने आगामी 10 दिसम्बर को प्रस्तावित 'प्रवासी राजस्थानी दिवस' के लिए प्रवासी राजस्थानियों को आमंत्रित किया। इस अवसर पर 'राजस्थान प्रकोष्ठ' के अध्यक्ष संजय मंत्री, नंदकिशोर मालपानी सहित विभिन्न प्रवासी राजस्थानी मौजूद रहे।

हेरोइन एवं चोरी के सामान के साथ चोर गिरफ्तार

गुवाहाटी,एजेंसी। गुवाहाटी के चांदमारी पुलिस ने अभियान चलाते हुए एक शातिर चोर को लाखों की चोरी के सामान के साथ गिरफ्तार किया है। असम पुलिस मुख्यालय द्वारा गुरुवार को जारी एक बयान के अनुसार चांदमारी पुलिस ने खुफिया जानकारी के आधार पर अभियान चलाते हुए मिंटू रहमान (31) नामक एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रहमान को गुवाहाटी के चांदमारी थानांतर्गत गणेश नगर, ज्योतिनगर स्थित किराए के मकान नंबर 46 से गिरफ्तार किया। आरोपित के पास से पुलिस ने प्रतिबंधित पदार्थ, अन्य सामान, आभूषण एवं नकदी आदि बरामद किए। बरामद सामग्रियों में दो साबुनदानी में प्लास्टिक के पैकेटों में छिपाकर रखे गये 126.2 ग्राम हेरोइन और काले पॉलीथीन में छिपाकर रखी गई 77 प्लास्टिक की शीशियां, 677 खाली शीशियां, 6 मोबाइल हैंडसेट, 89.8 ग्राम सोने के आभूषण, 36.23 ग्राम चांदी के आभूषण, कुल नकद 13,82,300 एवं 4 आभूषण बिल शामिल हैं। पुलिस ने इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर आरोपित से आगे की पूछताछ जारी रखे हुए है।

सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल

गुवाहाटी,एजेंसी। गुवाहाटी के बाहरी इलाका सोनपुर थाना क्षेत्र में हुए सड़क हादसे में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि थाना क्षेत्र के पाथरकुची इलाके में राष्ट्र राजमार्ग 27 पर जागीरोड से गुवाहाटी की ओर आ रहे वाहन की चपेट में आने से बीती मध्य रात्रि को एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने घायल व्यक्ति को इलाज के लिए गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल भेज दिया। अंतिम सूचना मिलने तक घायल व्यक्ति की पहचान नहीं हो पाई थी। घायल व्यक्ति जुबीन गर्ग का प्रशंसक बताया गया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर घायल व्यक्ति की पहचान करने में जुट गई है।

कटक मालगोदाम में दाल से लदा ट्रक आग की चपेट में, चालक गंभीर रूप से झुलसा

भुवनेश्वर, एजेंसी। ओडिशा के कटक शहर स्थित मालगोदाम इलाके में गुरुवार तड़के दाल से लदा एक ट्रक आग की चपेट में आ गया, जिसमें चालक गंभीर रूप से झुलस गया। पुलिस के अनुसार, ट्रक कोलकाता से रवाना हुआ था और मालगोदाम में खड़ा था, तभी अचानक उसमें आग लग गई। हादसे के समय चालक ट्रक के केबिन में सो रहा था। आग लगने से वह गंभीर रूप से झुलस गया और उसे तुरंत इलाज के लिए एससीबी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल ले जाया गया। प्रारंभिक जांच में अनुमान लगाया जा रहा है कि आग का कारण मच्छर भगाने वाली कॉइल हो सकती है। बताया जा रहा है कि चालक ने सोने से पहले मच्छरों से बचने के लिए कॉइल जलाई थी, जो संभवतः ज्वलनशील सामग्री के संपर्क में आने से आग लग गई। घटना की सूचना मिलते ही चाउलियागंज और बक्सी बाजार फायर स्टेशन की दमकल टीमें मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस घटना से आसपास के व्यापारी और स्थानीय लोग दहशत में आ गए। घटना की जानकारी मिलते ही ट्रक का मालिक भी मौके पर पहुंच गया। पुलिस ने आग लगने के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है।

भुवनेश्वर में गुप्त देशी शराब भट्ठी का भंडाफोड़, ओडिशा आबकारी विभाग की कार्रवाई

भुवनेश्वर, एजेंसी। ओडिशा आबकारी विभाग ने गुरुवार को भुवनेश्वर के सालीया साहि क्षेत्र में एक गुप्त देशी शराब भट्ठी का भंडाफोड़ किया। बताया जा रहा है कि यह अवैध गतिविधि बड़े पैमाने पर चल रही थी और कुछ सप्ताह पहले इसी इलाके में एक अन्य अवैध भट्ठी को भी नष्ट किया गया था। सूत्रों के अनुसार, एक पक्की सूचना के आधार पर आबकारी विभाग की टीम ने एक आवासीय मकान पर छापा मारा। प्रारंभिक जांच में कुछ संदिग्ध नहीं मिला, लेकिन पुनः तलाशी के दौरान अधिकारियों को एक कमरे में मेज के पीछे छिपा हुआ गुप्त दरवाजा मिला। यह दरवाजा सीधे एक भूमिगत कक्ष में खुलता था, जहां देशी शराब का उत्पादन बड़े पैमाने पर किया जा रहा था। छापे के दौरान अधिकारियों ने हजारों लीटर तैयार की जा रही शराब, महुला फूल, चीनी और अन्य कच्चा माल बरामद किया। ये सभी सामग्री गंदगी और अस्वच्छ परिस्थितियों में प्लास्टिक की बाल्टियों में रखी गई थी। सड़ी-गली सामग्री पर कीड़े-मकोड़े पाए गए। टीम ने मौके से टैंक, गैस चूल्हे और आसवन लिए किया जा रहा था।

बंगाल में भाजपा सांसद खगेन मुर्मू और विधायक शंकर घोष पर हमले के मामले में दो गिरफ्तार

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले के नगरकाटा इलाके में भाजपा सांसद खगेन मुर्मू और सिलीगुड़ी के विधायक शंकर घोष पर हुए हमले के मामले में पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। यह इस हमले के मामले में की गई पहली कार्रवाई है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार किए गए आरोपितों की पहचान अकमरल हक और गोविंद शर्मा के रूप में हुई है। एक आरोपित को नगरकाटा से जबकि दूसरे को जयगांव से पकड़ा गया है। दोनों पर सोमवार को हुए पथराव और हमले में शामिल होने का आरोप है। जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक समीर अहमद ने गुरुवार सुबह दोनों की गिरफ्तारी की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि बाकी लोगों की गिरफ्तारी के लिए जांच पड़ताल चल रही है। सोमवार को भाजपा सांसद खगेन मुर्मू और विधायक शंकर घोष बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत कार्यों का जायजा लेने पहुंचे थे। इसी दौरान आरोप है कि तृणमूल से जुड़े लोगों ने उन पर पथराव कर हमला कर दिया। भाजपा ने इस हमले के लिए सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को जिम्मेदार ठहराया है।

भाजपा प्रवक्ता अमित मालवीय ने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर लिखा, बंगाल में टीएमसी का जंगलराज चरम पर है। हमारे वरिष्ठ आदिवासी नेता और दो बार के सांसद खगेन मुर्मू पर तब हमला किया गया जब वे बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए जा रहे थे। यह घटना राज्य की भयावह कानून-व्यवस्था का उदाहरण है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी इस हमले की निंदा करते हुए इसे निंदनीय बताया और कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति बेहद दयनीय है। प्रधानमंत्री ने कहा, हमारे पार्टी सहयोगियों–सांसद और विधायक–पर हमला यह दिखाता है कि कैसे टीएमसी सरकार जनता की सेवा करने वालों के खिलाफ हिंसा का सहारा ले रही है। मैं राज्य सरकार से अपील करता हूं कि वह हिंसा छोड़ राहत कार्यों पर ध्यान दे। इस बीच, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मंगलवार को सिलीगुड़ी के एक निजी अस्पताल में भर्ती सांसद खगेन मुर्मू से मिलने पहुंचीं। मुर्मू मालदह उत्तर लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं और फिलहाल उपचाराधीन हैं। मुख्यमंत्री ने चिकित्सकों से उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली और राज्य सरकार की ओर से हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। ममता बनर्जी ने कहा, मैंने सारी जानकारी ली है। उनका शुगर लेवल बहुत अधिक है, इसे नियंत्रित करने की जरूरत है। मैंने उन्हें जल्द स्वस्थ होने की शुभकामनाएं दी हैं। इसी बीच, मंगलवार को भाजपा विधायक मनोज कुमार ओरांव पर भी उनके कुमारग्राम विधानसभा क्षेत्र में हमला हुआ। भाजपा का आरोप है कि टीएमसी कार्यकर्ताओं ने ओरांव पर तब हमला किया जब वे बाढ़ राहत सामग्री वितरित कर रहे थे। ओरांव को गंभीर चोटें आईं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्होंने कहा, मैं बाढ़ पीड़ितों की मदद कर रहा था, तभी अचानक तृणमूल कार्यकर्ताओं ने मुझे घेर लिया और हमला कर दिया। यह टीएमसी के शासन में लोकतंत्र की स्थिति है। हालांकि टीएमसी ने सभी आरोपों से इनकार किया है। एक स्थानीय नेता ने कहा, मनोज ओरांव ने पहले एक वृद्ध व्यक्ति पर हमला किया था। उसी के विरोध में लोगों ने प्रतिक्रिया दी। भाजपा के आरोप निराधार हैं। भाजपा ने इन घटनाओं की कड़ी निंदा करते हुए टीएमसी पर आतंकी राजनीति का आरोप लगाया है। पार्टी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, जब भी भाजपा कार्यकर्ता उत्तर बंगाल के बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए आगे आते हैं, टीएमसी हिंसा पर उतर आती है। ममता बनर्जी के शासन में जनता के साथ खड़ा होना भी अपराध बन गया है। पार्टी ने इस पोस्ट के साथ घायल विधायक की तस्वीरें हैं।

आईआईटी खड़गपुर में विवेक वाधवा की उपस्थिति स्वास्थ्य तकनीक में नए युग की संभावनाएं

खड़गपुर,एजेंसी। आईआईटी खड़गपुर में एक प्रेरक लीडरशिप टॉक का आयोजन किया गया। इसमें जाने-माने शिक्षाविद, उद्यमी और लेखक विवेक वाधवा ने साइंस फिक्शन से वास्तविकता तक- कैसे एक्सपोनेंशियल टेक्नोलॉजीज नई पीढ़ी के नवप्रवर्तकों को सशक्त बनाती हैं विषय पर अपने विचार साझा किए।

बुधवार को आयोजित हुए कार्यक्रम में शिक्षाविद वाधवा ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स, जैव प्रौद्योगिकी और कंप्यूटिंग जैसी अत्याधुनिक तकनीकों के तेजी से विकास और उनके समाज तथा उद्योगों पर प्रभाव पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि तकनीकी प्रगति अब गुणात्मक रूप से तेज़ हो रही है, जिससे कल की विज्ञान कथा आज की वास्तविकता बन रही है।

गुरुवार को संस्थान की ओर से जारी बयान में बताया गया है कि शिक्षाविद विवेक वाधवा ने भारतीय नवप्रवर्तकों और संस्थानों की क्षमताओं पर जोर देते हुए कहा कि वे इस प्रगति की लहर पर सवारी कर सकते हैं और इसे आकार देकर नेतृत्व कर सकते हैं। उन्होंने जिम्मेदार, समान और मानवीय दृष्टिकोण के साथ नवाचार करने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि भारत पारंपरिक मार्गों को छोड़कर नई तकनीकी राहों पर तेज़ी से बढ़ने की अनूठी स्थिति में है, जिससे वैश्विक चुनौतियों का समाधान किया जा सकता है और नई पीढ़ी के नवप्रवर्तकों को सशक्त बनाया जा सकता है। इस सत्र में संकाय सदस्य, छात्र और नवप्रवर्तक बड़ी संख्या में शामिल हुए और विश्व के सबसे प्रभावशाली तकनीकी विचारकों में से एक से प्रेरणा प्राप्त की।बाद में हिरासत में लेने का आदेश दिया गया।

बीजेपी नेता पीतवास पंडा की हत्या- तीन दिन बाद भी कोई गिरफ्तारी नहीं

भुवनेश्वर,एजेंसी। उड़िसा के गंजाम जिले में स्थित ब्रह्मपुर नगर में वरिष्ठ अधिवक्ता और बीजेपी नेता पीतवास पंडा की हत्या के तीन दिन बाद भी ओडिशा पुलिस ने अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं कर पाई है। प्रारंभिक फॉरेंसिक रिपोर्ट और गवाहों के बयानों से पता चलता है कि यह हत्या योजनाबद्ध और सुनियोजित तरीके से की गई थी। जांच अधिकारी संदिग्ध हत्यारों की भूमिका की संभावना जाँच रहे हैं, जबकि हत्या का मकसद–राजनीतिक, व्यक्तिगत या पेशेवर प्रतिद्वंद्विता–अभी भी जांच के दायरे में है। इस बीच, एमकेसीजी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल की दो सदस्यीय मेडिकल टीम ने पोस्टमार्टम किया। पोस्टमार्टम टीम की सदस्य प्रोफेसर सुदीपा दास ने बताया कि गोली लगभग दो मीटर की दूरी से दागी गई थी, जो ऊपरी दाहिने छाती में प्रवेश कर ऊपरी कमर की रीढ़ में अटक गई। उन्होंने कहा कि मृत्यु का कारण गंभीर रक्तस्राव के कारण हेमोरेजिक शॉक था, जो दाहिने फेफड़े और प्रमुख थोरैसिक वाहिकाओं में गोली लगने से हुआ। लगभग चार लीटर खून बह चुका था । प्रारंभिक सबूतों से पता चलता है कि घटना में देशी पिस्तौल का उपयोग हुआ था, हालांकि इसकी पुष्टि जांच समिति की रिपोर्ट के बाद ही की जाएगी। बॉलिस्टिक्स विशेषज्ञ अभी बरामद गोली की जांच कर रहे हैं ताकि प्रयुक्त आग्नेयास्त्र की सटीक जानकारी मिल सके। अब तक 30 संदिग्धों से पूछताछ की जा चुकी है, लेकिन पुलिस ने संभावित गिरफ्तारी के संबंध में कोई जानकारी साझा नहीं की है9

महाबोधि महाविहार मुक्ति हेतु प्रचारक सुनील रामटेके का विदर्भ दौरा हेतु बैठक सम्पन्न

राष्ट्र संवाद ब्यूरो
कमाल अहमद

दुर्ग भिलाई:- सर्व विदित है कि छत्तीसगढ़ सहित संपूर्ण भारतवर्ष में बौद्ध गया महाबोधि महाविहार मुक्ति आंदोलन बड़े ही जोर शोर से वर्तमान में चल रहा है इसी परिपेक्ष में विगत दिनों सर्व दलीय बैठक केंद्रीय सामाजिक न्याय मंत्री रामदास आठवले के नेतृत्व में सम्पन्न हुई।

जिसमें प्रमुख रूप से आंदोलन के प्रणेता भंते विनयाचार्य, दीक्षाभूमि समिति के सचिव डॉ.राजेंद्र गवई , प्रो. जोगेंद्र कवाड़े , बौद्ध महासभा के ट्रस्टी अध्यक्ष चंद्रबोधी पाटिल , ऑल ढरव एससी/एसटी फेडरेशन के चेयरमैन शसुनील रामटेके , मा. देशक खोबरागड़े संयुक्त रूप से उपस्थित थे।

जिसमें संयुक्त रूप से आव्हान किया गया कि 14 अक्टूबर 2025 को मुंबई आजाद मैदान में लाखों भीम सैनिकों का रैली एवं मोर्चा होगा।

इस आंदोलन को आर.पी.आई. के विभिन्न ग्रुप सभी बौद्ध भिक्षुगण एवं सभी बौद्ध संस्थाएं बौद्ध महासभा, समता सैनिक दल सहित सर्वदलीय नेताओं ने इस आंदोलन का पुरजोर समर्थन किया।

उपरोक्त परिपेक्ष में रैली को सफल बनाने ऑल ढरव एससी/एसटी फेडरेशन के चेयरमैन दे 9 अक्टूबर 2025 को नागपुर जिला, 10 अक्टूबर 2025 को भंडारा जिला एवं लाखनी , 11 अक्टूबर को गोंदिया जिला एवं 12 अक्टूबर को वर्धा जिला आदि जिलों का दौरा करेंगे एवं उनके साथ विभिन्न बौद्ध संस्थाओं के प्रतिनिधि साथ में रहेंगे।

एगरा में काली पूजा से पहले पुलिस की बड़ी सफलता, भारी मात्रा में अवैध पटाखे बरामद

पूर्व मेदिनीपुर,एजेंसी। काली पूजा से पहले एगरा थाना पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। बुधवार रात ओडिशा से लाई जा रही भारी मात्रा में अवैध पटाखों की खेप पुलिस ने जब्त की। पुलिस सूत्रों के अनुसार, गुप्त सूचना के आधार पर एगरा-दो नंबर ब्लॉक के बैताई क्षेत्र में छापेमारी की गई। इस दौरान एक इंजन वैन से लगभग चार लाख रुपये मूल्य के अवैध पटाखे बरामद किए गए।

छापेमारी अभियान एगरा थाना प्रभारी अरुण कुमार खां के नेतृत्व में चलाया गया। उनके साथ थाना के अधिकारी बुद्धदेव मान्ना और समीरन दे सहित पुलिस बल के अन्य कर्मी मौजूद थे। पुलिस ने इंजन वैन को जब्त कर लिया और दो अवैध पटाखा कारोबारी को गिरफ्तार किया। दोनों आरोपियों का घर एगरा-दो ब्लॉक के उत्तर ताजपुर इलाके में बताया गया है।

एगरा थाना प्रभारी अरुण कुमार खां ने बताया कि गिरफ्तार दोनों आरोपितों को गुरुवार को कांथी महकमा अदालत में पेश किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि खादिकुल विस्फोट कांड के बाद से ही एगरा थाना पुलिस अवैध पटाखों के खिलाफ लगातार अभियान चला रही है और इसमें लगातार सफलता प्राप्त कर रही है।

ट्रेन से कटकर इंजीनियर की मौत

हरिद्वार,एजेंसी। ट्रेन से कटकर एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। मृतक की पहचान प्रेम कुमार के रूप में हुई है, जो एक अमेरिकी कंपनी में टीम लीडर के तौर पर काम करते थे। यह हत्या है या आत्महत्या इस संबंध में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक प्रेम कुमार का तलाक हो गया था, जिसके बाद से वह मानसिंक तनाव में था। प्रेम कुमार ने धर्म परिवर्तन कर लिया था। पहले वो ईसाई थे और तलाक के बाद हिन्दू बन गए थे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

पुणे में एटीएस की छापेमारी, 25 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ जारी

मुंबई,एजेंसी। महाराष्ट्र के पुणे जिले के कोंढवा इलाके में एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड(एटीएस) और पुणे पुलिस की टीम गुरुवार को तडके से 19 स्थानों पर छापेमारी कर रही है। इस छापेमारी का अधिकृत ब्योरा अभी तक मीडिया को नहीं दिया गया है, लेकिन सूत्रों ने बताया कि करीब 25 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। इन सभी का आतंकवादी संगठनों से संबंध होने का संदेह है। एटीएस सूत्रों ने बताया कि एक मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने आज तडके से कोंढवा इलाके में 19 स्थानों पर छापेमारी कर रही है और कई संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है। अधिकारियों ने आज बताया कि यह अभियान जारी है। अधिकारी अब पूछताछ किए गए लोगों और छापेमारी वाले स्थानों की पहचान और पृष्ठभूमि की पुष्टि कर रहे हैं। पुलिस सूत्रों ने पुष्टि की है कि यह अभियान राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा है। स्थानीय सूत्रों ने बताया कि यह पहली बार नहीं है जब कोंढवा सुरक्षा एजेंसियों की जाँच के घेरे में आया है। इससे पहले भी, शहर के बाहर से आतंकी हमलों की योजना बना रहे लोगों को इस इलाके से गिरफ्तार किया गया था। एटीएस की टीम आज उस जगह पर छापा मारा है और कुछ लोगों को वहां से भी हिरासत में लिया है।

संदकफू में फिर लौटी रौनक, मौसम सुधरते ही पर्यटकों के लिए खोला गया ट्रेकिंग मार्ग

दार्जिलिंग,एजेंसी। भूस्खलन के खतरे को देखते हुए बंद किया गया प्रसिद्ध संदकफू ट्रेकिंग मार्ग अब पर्यटकों के लिए फिर से खोल दिया गया है। प्रशासन ने गुरुवार को मौसम में सुधार होते ही इस निर्णय की घोषणा की, जिससे स्थानीय पर्यटन उद्योग में फिर से उत्साह लौट आया है। प्रशासन ने रविवार को लगातार बारिश और संभावित भूस्खलन की आशंका के कारण संदकफू ट्रेकिंग रूट को अस्थायी रूप से बंद कर दिया था। इसके बाद बड़ी संख्या में ट्रेकर्स ने अपनी बुकिंग रद्द कर दी थी और वैकल्पिक रूप से सिक्किम का रुख किया था। इससे दार्जिलिंग क्षेत्र के टूर ऑपरेटरों, होमस्टे मालिकों और लैंड रोवर चालकों में गहरी नाराज़गी फैल गई थी।

सुकियापोखरी के बीडीओ आरोग्य गोवा ने बताया कि अब मौसम पूरी तरह साफ है, इसलिए पर्यटकों की सुविधा के लिए आज से संदकफू मार्ग को फिर से खोल दिया गया है।

सिंगालिला लैंड रोवर एसोसिएशन के अनुसार, ट्रेकिंग बंद होने के बाद केवल पांच अक्टूबर को 31 गाड़ियों में आए ट्रेकर्स ने बुकिंग रद्द कर लौट गए थे, जबकि सात अक्टूबर को 20 गाड़ियों की बुकिंग रद्द की गई। इससे स्थानीय ड्राइवरों और होमस्टे मालिकों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा।

एसोसिएशन के अध्यक्ष चंदन प्रधान ने बताया कि लगातार बारिश से कुछ जगह सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई थीं। सार्वजनिक निर्माण विभाग की ओर से कोई त्वरित कार्रवाई नहीं हुई, इसलिए हमने खुद मरम्मत कार्य किया। अब मार्ग सुरक्षित और पूरी तरह खुला है।

संदकफू, जिसे 'ट्रेकर्स का स्वर्ग' कहा जाता है, पश्चिम बंगाल के सबसे लोकप्रिय ट्रेकिंग स्थलों में से एक है। ट्रेकिंग मार्ग के फिर से खुलने से क्षेत्र के पर्यटन कारोबारियों को आगामी दिनों में अच्छे सीजन की उम्मीद है।

लोजपा (रामविलास) ने सीट बंटवारे पर अंतिम निर्णय के लिए चिराग पासवान को अधिकृत किया

राष्ट्र संवाद संवाददाता

पटनाःलोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेताओं ने बृहस्पतिवार को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान को बिहार विधानसभा चुनाव में सीट बंटवारे पर अंतिम निर्णय लेने के लिए अधिकृत किया।

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के इस घटक दल के प्रमुख नेताओं ने यहां बैठक कर सर्वसम्मति से यह फैसला किया।

बिहार विधानसभा चुनाव दो चरणों में छह और 11 नवंबर को होंगे, जबकि मतगणना 14 नवंबर को की जाएगी।

लोजपा (रामविलास) के सांसद और पार्टी के बिहार चुनाव प्रभारी अरुण भारती ने संवाददाताओं से कहा, ह्यह्यपार्टी पदाधिकारियों में आम सहमति बनी है कि बिहार की सभी 243 विधानसभा सीटों पर चिराग पासवान जी जो भी निर्णय लेंगे, वह हम सभी के लिए स्वीकार्य होगा।

लोजपा की समस्तीपुर से लोकसभा सदस्य शंभवी चौधरी ने कहा, ह्यह्यहमने राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान जी को विधानसभा चुनाव से जुले सभी अहम निर्णयों, जिसमें सीट बंटवारा भी शामिल है, का अधिकार सौंप दिया है।

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के इस घटक दल के प्रमुख नेताओं ने यहां बैठक की।

बैठक के बाद पार्टी की बिहार इकाई के अध्यक्ष राजू तिवारी ने कहा कि अब गेंद चिराग पासवान के पाले में है। उन्होंने कहा, ह्यह्यउनका निर्णय अंतिम होगा।सूत्रों का कहना है कि पहले लोजपा (रामविलास) ने लगभग 20-22 सीटों पर सहमति जताई थी, लेकिन अब पार्टी कम से कम 25 और सीटों की मांग कर रही है।

किशोरी रहस्यमय ढंग से लापता, सीसी टीवी कैमरे में दो जगह दिखी, पर घर नहीं लौटी

राष्ट्र संवाद संवाददाता

भोर में निकली किशोरी, चार दिनों तक नहीं लौटी, परिजनों की आंखें दरवाजे पर टिकी

बरौनी/बेगूसराय तेघड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत धनकौल पंचायत के आलापुर गांव से एक किशोरी के रहस्यमय ढंग से लापता होने का मामला सामने आया है. 19 वर्षीय निधी कुमारी उर्फ खुशी, पिता राजकुमार पोद्दार, गत 5 अक्टूबर को सुबह करीब 4 बजे फूल तोड़ने के बहाने घर से निकली और फिर कभी वापस नहीं लौटी. परिजनों ने रिश्तेदारों और आसपास के इलाकों में काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला. किशोरी के चाचा पवन पोद्दार ने पत्रकारों को बताया कि 4 अक्टूबर की देर शाम खुशी की अपने बड़े भाई अनिकेत से किसी बात को लेकर नोंकझोंक हुई थी. इसके ठीक बाद

वह अगली सुबह साढ़े चार बजे घर से निकल गई. परिजनों ने बताया कि वह शांत स्वभाव की, ग्यारहवीं कक्षा की छात्रा है और कभी घर से बाहर नहीं जाती थी. खोजबीन के दौरान दो सीसीटीवी फुटेज सामने आए हैं. पहला फुटेज किरतौल लीची गाछी मार्ग का है, जिसमें करीब सुबह 5 बजे खुशी जाती हुई दिख रही है. दूसरा फुटेज पकठौल-नूनपुर मार्ग का है, जिसमें वह सुबह 9 बजे के करीब दिखाई दी. इन दोनों फुटेज ने मामले को और रहस्यमय बना दिया है. इधर, इस संबंध में खुशी की गुमशुदगी को लेकर स्थानीय तेघड़ा थाना में लिखित शिकायत दर्ज किशोरी के चाचा पवन पोद्दार ने कराई है.

मामले में कांड संख्या 321/25 के तहत प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस ने अनुसंधान प्रारंभ कर दिया है. परिजनों ने त्वरित कार्रवाई की मांग करते हुए लड़की की सकुशल बरामदगी की गुहार लगाई है. यह मामला न सिर्फ एक परिवार की पीड़ा है, बल्कि पुलिस प्रशासनिक तत्परता की परीक्षा भी. सवाल यह है कि क्या लापता निधी को समय रहते खोजा जा सकेगा, या यह घटना भी आंकड़ों में गुम हो जाएगी?

जबकि परिजनों की आंखें दरवाजे पर टिकी हैं. जबकि स्थानीय लोगों में घटना को लेकर चिंता का माहौल है. लोगों में जितनी मुंह उतनी बातें हो रही है. यथा, क्या प्रशासन जागेगा? क्या इकलौती बेटी निधी को ढूंढ पाएगी पुलिस?

बिहार की जनता परिवर्तन चाहते हैं: तेज प्रताप यादव

बेगूसराय /राष्ट्र संवाद ब्यूरो

पूर्व स्वास्थ्य मंत्री और जनशक्ति जनता दल के राष्ट्रीय प्रमुख तेज प्रताप यादव ने तेघड़ा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत फुलवरिया तारा अड्डा ऑक्सीजन फैक्ट्री के प्रांगण में गुरुवार को एक चुनावी सभा को संबोधित किया। उन्होंने नीतीश सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि बिहार में सुशासन नहीं, बल्कि अपराध का राज है।

यादव ने ₹डबल इंजन की सरकार₹ के दावों पर सवाल उठाया और कहा कि अपराध और भ्रष्टाचार पर कोई लगाम नहीं है।

इस दौरान तेजप्रताप यादव ने अपने पार्टी के प्रति लोगों के

जनाधार को बताते हुए बताते हुए कहा कि उन्हें अंततः ब्लैकबोर्ड के पास ही लौटना होगा, क्योंकि शिक्षा का मार्ग ब्लैकबोर्ड से होकर ही जाता है। उन्होंने जनता को ऐसे लोगों से सावधान रहने की सलाह दी।

अब परिवर्तन चाहते हैं युवा

यह जनसभा तेघड़ा विधानसभा क्षेत्र से वायु सेना के अधिकारी पद से सेवानिवृत सह उत्कृष्ट समाजसेवी भावी प्रत्याशी चंद्र प्रकाश सिंह आनंद जी के समर्थन में आयोजित की गई थी। सभा में बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे, जिसे देखकर तेजप्रताप यादव उत्साहित दिखे। उन्होंने कहा कि बिहार के युवा अब परिवर्तन चाहते हैं और तेघड़ा की जनता विकास की राजनीति को प्राथमिकता दे रही है। अपनी संबोधन में चंद्र प्रकाश सिंह आनंद जी ने जनता की उम्मीद पर खराब उतारने का संकल्प लिया। उन्होंने युवाओं को रोजगार से जोड़ने,महिलाओं को हुनरमंद बनाने, किसानों की समस्याओं का समाधान करने तथा शिक्षा, स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार लाने का आश्वासन देते हुए कहा कि विधानसभा की जनता एक बार मौका दें मैं आदर्श विधानसभा बनाऊंगा।

बिहार चुनाव देश के भविष्य की दिशा तय करेगा : अशोक गहलोत

पटना/ जयपुर, । राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने गुरुवार को पटना में कहा कि ह्लपूरा देश यह जानना चाहता है कि बिहार के चुनाव में क्या होगा, क्योंकि यह चुनाव केवल बिहार तक सीमित नहीं है बल्कि देश के भविष्य की दिशा तय करेगा।ह्व अशोक गहलोत, जिन्हें कांग्रेस पार्टी ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए वरिष्ठ पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। गुरुवार को अपने पटना दौरे के दौरान पार्टी द्वारा आयोजित एक पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 'बीस साल विनाशकाल' अपने आप में एक बड़ा संदेश है।

गहलोत ने कहा कि पिछले बीस वर्षों में बिहार में सुशासन की भारी कमी रही है। उन्होंने कहा, ह्लनीतीश कुमार बार-बार पाला बदलते रहे, जिसके कारण राज्य में ठोस और निरंतर शासन नहीं हो पाया। बिना गुड गवर्नेंस के विकास, समस्याओं का समाधान और इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण संभव नहीं होता। यही कारण है कि बिहार सभी क्षेत्रों में पिछड़ गया है और उसकी दुर्दशा आज सबके सामने है।राज्य सरकार में व्याप्त भ्रष्टाचार और मंत्रियों पर लगे गंभीर आरोपों का उल्लेख करते हुए गहलोत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा।उन्होंने कहा कि उपमुख्यमंत्री और मंत्रियों पर खुलेआम तथ्यात्मक आरोप हैं, फिर भी किसी का इस्तीफा नहीं हो रहा। ऐसा लगता है मानो प्रधानमंत्री ने यह नीतिगत निर्णय ले लिया है कि चाहे कुछ भी हो, किसी मंत्री का इस्तीफा नहीं लिया जाएगा।

150 गर्भवती महिलाओं का हुआ प्रसव पूर्व एएनसी जांच

राष्ट्र संवाद संवाददाता

भगवानपुर/ बेगूसराय प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत पीएचसी भगवानपुर में गुरुवार को प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांवों के कूल 150 गर्भवती महिलाओं का प्रसव पूर्व एएनसी जांच की गई। वहीं काउंसलर के द्वारा योग्य महिलाओं को गर्भनिरोधक दवाइयां दी गई तथा परिवार नियोजन के विभिन्न तरीकों को भी समझाया गया तथा जरुरी चिकित्सा परामर्श भी दिए गए। उक्त अवसर पर पीएचसी के डाक्टर ज्योति शबनम की उपस्थिति में एलटी फिरोज आलम आदि के द्वारा गर्भवती महिलाओं का एएनसी,ब्लड ग्रुप,यूरिन, एचआईवी,बीपी हार्ट बीट आदि

की जांच किया गया। काउंसलर ने बताया कि प्रसव अवधि के दौरान किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर तुरंत जांच करानी चाहिए,समय पर जांच कराने से किसी भी प्रकार की परेशानी का शुरूआती दौर में ही पता चल जाने से उसे आसानी से दूर किया जा सकता है।खान पान के बारे में उन्होंने बताते हुए सभी गर्भवती महिलाओं को आयरन, कैल्शियम,अल्बेंडाजोल की टैबलेट और ओआरएस दिये। उक्त अवसर पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ दिलीप कुमार, स्वास्थ्य प्रबंधक आशुतोष गांधी सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थे।

भाजपा का चेरिया बरियारपुर विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन की तैयारी के लिए की गयी बैठक

राष्ट्र संवाद संवाददाता

खोदावंदपुर,बेगूसराय। आगामी 11 अक्टूबर को होने वाले भाजपा के चेरिया बरियारपुर विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन की तैयारी को लेकर गुरुवार को एक बैठक आयोजित की गयी. भाजपा नेता व मेघौल गांव निवासी डॉ रंजीत कुमार सिंह के निवास स्थान पर हुई भाजपा कार्यकताओं की बैठक में विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन को सफल बनाने की रणनीति बनायी गयी. इस बैठक में पार्टी के मंडल संयोजक अजय कुमार सिंह, जिला महामंत्री राम प्रवेश सहनी, विधानसभा प्रभारी सुनील कुमार

सिंह, जिला मंत्री पल्लवी कुमारी, उपेंद्र सहनी, मंडल अध्यक्ष अनमोल शरण, शंकर कुमार यादव, अनिल वर्मा एवं वरिष्ठ कार्यकर्ता शामिल हुये. बैठक में सर्वसम्मति से इस कार्यक्रम का आयोजन भुसारी कोल्ड स्टोरेज, कोरजाना में करने का निर्णय लिया गया.

पार्टी के नेताओं ने बताया कि इस कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व वर्तमान मध्य प्रदेश के सांसद बी डी शर्मा, पार्टी के जिलाध्यक्ष राजीव कुमार वर्मा समेत कई अन्य नेता भाग लेंगे.

मनुष्यों को अपने शुभ-अशुभ कर्मों का फला-फल निश्चित रूप से पाना ही पड़ता है: स्वामी चिदात्मन जी महाराज

राष्ट्र संवाद संवाददाता

बीहट /बेगूसराय तपस्या से ही मनुष्य को एहलौकिक सुख और पारलौकिक गति की प्राप्ति होती है।उक्त बातें सिमरिया धाम में सिद्धाश्रम के प्रांगण में व्यास गद्दी पर विराजमान परम् पूज्य स्वामी चिदात्मन जी महाराज ने कहा कार्तिक महात्म् एवं श्रीमद् भागवत कथा महापुराण में बतलाया गया कि वही मानव प्रथम श्रेणी का बतलाया गया जो देव कर्म और पितृ कर्म सभी प्रकार के सामाजिक कर्म राष्ट्र कर्म और संस्कृति हित का काम करता है।वही मानव प्रथम श्रेणी के होते हैं मध्यम श्रेणी के वह मानव बतलाए गए हैं जो एक दूसरे के देखा देखी करते हुए कर्म और कुकर्म करता है। निम्न श्रेणी के वह मानव बतलाया गए हैं

जो इस मिथ्या रुपी संसार में भोग विलास में ही सदा सदा के लिए पड़ा रहता है । इसलिए आप जहां कहीं भी रहे घर में रहे या बाहर में रहे या किसी देवभूमि में रहे याद रखें आप सभी जगह अच्छे कर्म ही करें क्योंकि यह कर्म ही आपके साथ जन्म-जन्मांतर तक पूंजी भूत रहेगा। आप सभी श्रद्धालु धन्य हैं। जो अपना घर परिवार छोड़कर भी यहां इस धरा धाम पर कल्पवास करने के लिए पधारे हैं । सभी सनातन धर्मावलंबी का काम है कि वो सबसे पहले किसी भी पूजन में प्रत्यक्ष स्वरूप सूर्य देव की उपासना करते हैं। सनातन धर्म में सबसे पहले पंचोपचार पूजन का ही महत्व है।

याद रहे हरेक मनुष्य को अपने शुभ अशुभ कर्मों का फलाफल निश्चित रूप से पाना ही पड़ता है। भागवत तीन प्रकार के होते हैं प्रथम महा भागवत, दूसरा देवी भागवत और इस समय हम लोग जो श्रवण कर रहे हैं वह श्रीमद् भागवत जिसके श्रवण मात्र से ही सभी प्रकार के पाप-ताप नष्ट होते हैं कहा गया है कि धन का उपयोग भी तीन प्रकार से होता है सत्कर्म देव कर्म और पितृ कर्म जो धन सत्कर्म में और पितृ कर्म में वरदान में लगाया जाता है उसे हम सबसे उत्तम मानते हैं। सिद्धाश्रम के व्यवस्थापक रविंद्र ब्रह्मचारी,मीडिया प्रभारी नीलमणि,रमण कुमार,अमरेंद्र कुमार सिंह, श्याम झा, राम झा,लक्ष्मण झा,अरविंद चौधरी, सदानंद झा, आचार्य नारायण झा, पंडित दिनेश झा रमेश झा, राजेश झा रजनीश झा,हंस झा, बच्ची देवी, अरुणा देवी, दीप्ति कुमारी,आद्यया आदि उपस्थित थे।

मंसूरचक में मनरेगा पीओ का विदाई सह सम्मान समारोह आयोजित

राष्ट्र संवाद संवाददाता

मंसूरचक(बेगूसराय)प्रखंड मनरेगा कार्यालय में मनरेगा पीओ इंद्रमोहन कुमार के स्थानांतरण पर गुरुवार को एक समारोह आयोजित कर उन्हें विदाई दी गई। जहां मनरेगा के कर्मियों ने पीओ को पाग,चादर ,बुके और पुष्प गुच्छ भेंटकर शुभकामनाएं दी। विदित हो कि वर्तमान पीओ का स्थानांतरण सिवान जिले के जीरादेई प्रखंड में हुआ है। नए पीओ के पद पर गया जिले के पीओ दीपू कुमार की पोस्टिंग हुई है,नये पीओ ने कहा कि पूरी पारदर्शिता के साथ मनरेगा योजनाओं को शत प्रतिशत धरातल पर चलना प्राथमिकता होगी,विदाई समारोह के दौरान सीडीपीओ महताब ग्यास ने बताया कि मनरेगा पीओ ने प्रखंड में काफी

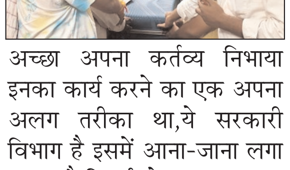

अच्छा अपना कर्तव्य निभाया इनका कार्य करने का एक अपना अलग तरीका था,ये सरकारी विभाग है इसमें आना-जाना लगा रहता है,विदाई के बाद स्वागत समारोह का भी आयोजन किया गया,उक्त मौके पर मनरेगा कनीय अभियंता मिथुन कुमार, लेखापाल सच्चिदानंद,पंचायत रोजगार सेवक ब्रजेश कुमार,अमित कुमार,रामानंद सहनी, लोकेश कुमार, अरुण कुमार,नीतीश कुमार दीपक कुमार,मंजेश सिंह, संजय कुमार,नीरज कुमार किशन कुमार,हित अन्य कर्मी मौजूद थे.

पहसारा पश्चिम व महेशवारा में पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

राष्ट्र संवाद संवाददाता

नावकोठी/बेगूसराय आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर आदर्श आचार संहिता लागू होते ही पुलिस -प्रशासन सतर्क हो गया है।इसी क्रम में गुरूवार को पहसारा व महेशवारा पंचायत में शांति, सौहार्द व सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखने के उद्देश्य से फ्लैग मार्च निकाला गया।इस मार्च का नेतृत्व एस आई विश्वजीत कुमार ने किया।फ्लैग मार्च पहसारा पश्चिम व महेशवारा पंचायत के विभिन्न गली मोहल्ले व चौक चौराहों पर निकाला गया।इस दौरान बड़ी संख्या में पुलिस बल,सशस्त्र जवान एवं प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे।मार्च के माध्यम से आम नागरिकों को यह संदेश दिया गया कि चुनाव लोकतंत्र का महापर्व है। प्रत्येक मतदाता को इसमें शांति,निष्पक्षता एवं भाईचारे के साथ भाग लेना चाहिए। थानाध्यक्ष

ने कहा कि आदर्श आचार संहिता लागू हो चुकी है।किसी भी प्रकार का उल्लंघन, अफवाह या असामाजिक गतिविधि को बर्दाश्त नहीं की जायेगी।कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है।उन्होंने लोगों से अपील कि वे भयमुक्त होकर मतदान करें एवं एक जागरूक नागरिक का परिचय दें।चुनाव के दौरान किसी भी प्रत्याशी या समर्थक द्वारा आचार संहिता का उल्लंघन करने पर कड़ी कार्रवाई की जायेगी।थानाक्षेत्र में लगातार पेट्रोलिंग व निगरानी जारी रहेगी।फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस बल ने नागरिकों से संवाद स्थापित कर शांति, सद्भाव व सहयोग बनाये रखने की अपील की।

सार-संक्षेप

विवाहिता की संदिग्ध परिस्थिति में हुई मौत, परिजनों में मचा कोहराम

राष्ट्र संवाद संवाददाता

भगवानपुर /बेगूसराय थाना क्षेत्र के भगवानपुर गांव के वार्ड संख्या 02 में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई।इससे परिजनों में कोहराम मच गया।मृतका की पहचान भगवानपुर गांव के वार्ड संख्या 02 निवासी मो सलामत की 28 वर्षीया पत्नी अफसाना खातून के रूप में की गई।मृतका को तीन पुत्र हैं।घटना की सूचना पाकर थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह, एसआई प्रिया कुमारी के नेतृत्व में पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर मृतका के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बेगूसराय भेज दिया।थानाध्यक्ष ने बताया कि अब तक परिजनों द्वारा कोई आवेदन नहीं मिला है।पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल पाएगा।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा-एनडीए में ऑल इज वेल है, सीट बंटवारें पर जल्द होगा फैसला

पटना, ।बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण का नामांकन कल यानि 10 अक्टूबर को होना है लेकिन अब तक महागठबंधन और गठबंधन दोनों ने ही सीटों की घोषणा नहीं की है।

गठबंधन की सभी पांचों दलों के बीच अभी तक सीटों के बंटवारे पर पेच फंसा हुआ है। जिसके कारण अभी तक उम्मीदधारों पर भी फैसला नहीं हो सका है। ।

गुरूवार को दिन भर मीडिया में चर्चा होती रही कि आज शाम तक सीटों की घोषणा हो सकती है लेकिन जनसुराज के अलावा किसी भी दल ने सीटों और उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की। फिलहाल अभी भी कुछ घंटे शेष है। इस बीच पत्रकारों के सवाल जवाब देते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. दिलीप जायसवाल ने एनडीए गठबंधन में किसी भी तरह के मतभेद की अटकलों को खारिज किया और दावा किया कि ह्यएनडीए में ऑल इज वेल हैह्व और अगले दो से तीन दिनों में सीटों के बंटवारे पर अंतिम फैसला हो जायेगा। एनडीए में सीटों के बंटवारे के साथ उम्मीदवारों के नाम की घोषणा कर दी जाएगी।

मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि सभी दलों का केंद्रीय नेतृत्व इस पर बात कर रहा है और सीटों के बंटवारे को अंतिम रूप दिया जा रहा है। जिसके बाद नामों की घोषणा की जाएगी। डा. दिलीप जायसवाल ने बताया कि एनडीए में चुनाव को लेकर पूरी तैयारी हो गई है। कैंडिडेट के नॉमिनेशन से लेकर चुनाव प्रचार और प्रचारकों को कार्यक्रम तय हो गया है। कौन सीएम कहां प्रचार करेगा, ?ह भी निश्चित हो गया है।

राजद पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि बिहार अब लालटेन से बाहर निकलकर नीतीश कुमार के बिजली वाले दौर में पहुंच गया है। नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार कितना विकसित हुआ है, यह नजर आता है। पहले सोनपुर जाने के लिए भी जहाज से जाना पड़ता है। आज पूर्णिया से कुछ घंटों में सोते हुए पटना आ जाते हैं।

प्रशांत किशोर के चुनाव लड़ने पर अभी भी बना है सस्पेंस

पटना,। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए जनसुराज ने सीटों और उम्मीदवारों की सूची गुरूवार को जारी कर दी है।

जारी सूची में जनसुराज ने कला, संस्कृति, चिकित्सक, राजनेता और प्रोफेसर को खास तौर पर जगह दी है। उनकी सूची में राजनेता के बच्चों को भी जगह दी गयी है, लेकिन इस बीच इस सवाल का जवाब अभी तक साफ नहीं हो पाया है कि पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर चुनाव लड़ेंगे या नहीं और लड़ेंगे तो कहां से।

हालांकि उन्होंने कई बार इस बात का मीडिया में दावा किया है कि वे किसी भी राज्य से राज्यसभा जा सकते हैं और बिहार में वे कहीं से भी चुनाव लड़ने की क्षमता रखते हैं।

प्रशांत किशोर ने कई मौकों पर चुनाव लड़ने के संकेत दिए थे और यह भी कहा था कि इस पर अंतिम फैसला पार्टी को लेना है। उन्होंने संभावित सीट के तौर पर अपनी जन्मभूमि या कर्मभूमि, यहां तक कि राघोपुर सीट से भी चुनाव लड़ने का संकेत दिया था, जिससे राजनीतिक हलचल तेज हो गई थी लेकिन अब यह खबर आ रही है कि वह व्यक्तिगत रूप से चुनावी मैदान में नहीं उतरेंगे।

हालांकि, प्रशांत किशोर के चुनाव लड़ने पर अभी भी पूरी तरह से सस्पेंस बना हुआ है। जन सुराज पार्टी के अध्यक्ष उदय सिंह ने पहली लिस्ट जारी करते हुए कहा है कि प्रशांत किशोर चुनाव लड़ेंगे या नहीं, यह एक-दो दिन में साफ हो जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर उनका नाम लिस्ट में आएगा तो वह लड़ेंगे, नहीं आएगा तो नहीं लड़ेंगे। इस बयान ने एक बार फिर अटकलों का बाजार गर्म कर दिया है।

अमौर प्रखंड में हर साल बाढ़ का कहर, नदियों की मनमानी से त्रस्त लोग, स्थायी समाधान की उठी मांग

पूर्णिया, । पूर्णिया जिले के अमौर प्रखंड का इलाका हर साल बाढ़ की विभीषिका झेलने को मजबूर है। यह क्षेत्र नदियों के अभिशाप से सदैव अभिशप्त रहा है।

विडंबना यह है कि यहां की नदियां, कनकई, महानंदा और परमान खुशियों के गीत नहीं गातीं, बल्कि हर वर्ष बरसात के दिनों में उफनकर रिहायशी इलाकों की ओर रुख करती हैं। परिणामस्वरूप, इन इलाकों में रहने वाले लोगों की जिंदगी कठिनाइयों और संकटों से भर जाती है।

इन क्षेत्रों के लोग ही बता सकते हैं कि बाढ़ के दौरान उनकी जीवन-स्थिति कितनी विकट हो जाती है। नदियों की मनमानी अब यहां के लोगों की नियति बन चुकी है। सच्चाई यह है कि इन हालातों से लोगों ने समझौता कर लिया है, क्योंकि जब जिम्मेदार लोग इसे ह्लप्राकृतिक आपदाह्व कहकर राहत सामग्री बांटने तक ही अपने कर्तव्य को सीमित कर लेते हैं, तो गरीबों के पास समझौते के अलावा कोई रास्ता नहीं बचता।

लगातार बाढ़ और कटाव ने यहां के लोगों को आर्थिक रूप से कमजोर कर दिया है। जून से ही कटाव का सिलसिला शुरू हो जाता है, और जुलाई में बाढ़ का पानी इन गांवों में तबाही मचाने लगता है। बाढ़ के कारण खेती बर्बाद हो जाती है, जिससे लोगों को अपने परिवार का पेट पालने के लिए साल के नौ महीने परदेस में मजदूरी करने जाना पड़ता है।

अमौर अनुमंडल के सीमलवारी, नगरा टोला, सूरजपुर सहित कई गांव हर साल बाढ़ से प्रभावित होते हैं। यहां से बहने वाली महानंदा, कनकई, दास, बकरा और परमान नदियां हर वर्ष तबाही का कारण बनती हैं।

बिहार में एनडीए के 20 साल के शासनकाल को कांग्रेस ने बताया विनाशकाल

पटना,। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में संवाददाता सम्मेलन का आयोजन किया गया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने अपने संबोधन में सभी आगत बारिश नेताओं का स्वागत किया और उन्होंने बिहार के राजग शासन के 20 साल को विनाश काल बताते हुए संवाददाता सम्मेलन की शुरूआत की।

इस संवाददाता सम्मेलन को मुख्य रूप से राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, एआईसीसी के महासचिव जयराम रमेश, छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पश्चिम बंगाल कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने संबोधित किया।

पंजीयन संख्या :JHAHIN01092 स्वामी , प्रकाशक , मुद्रक व संपादक देवानंद सिंह द्वारा अमन प्रिंटर , 66 गोलमुरी बाजार , जमशेदपुर - 3 से मुद्रित तथा अमन पब्लिकेशन राष्ट्र संवाद , 66 गोलमुरी बाजार , जमशेदपुर -3 झारखंड से प्रकाशित ।फोन : 0657 - 2341060 /2344002 मो:09431179542 /09102339999 / 07739802044 / 09334823893

नारी तेरे रूप हजार
आलोक मंजरी

धूप सहती छांव रखती
बीज से
से ब्रह्मांड रचती,
बूंद में सागर समेटे
मान रख ,अपमान सहती
मुट्ठी में है ज्वाल भरती
होठों पर मुस्कान रखती
आंखों में अंगार भरती
हाथों में वरदान रखती
मां, बहन, बेटी ,बहू बन
घर को है मंदिर बनाती
घर का वह स्तंभ बनकर
स्वयं को है शून्य बताती
कौन है वह दिव्य शक्ति
वह है एक भारत की नारी ,
वह है एक भारत की नारी ।
शक्ति स्वरूपा नारी शक्ति को नमन

शरद पूर्णिमा
डॉ निवेदिता श्रीवास्तव गार्गी

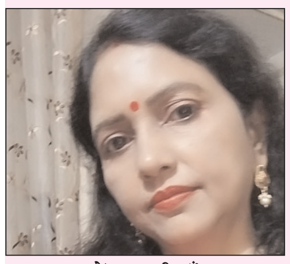

एक गगन में एक ही चँदा,
या पूनम या ईद का चँदा।
करते शीतल नैन हमारे,
हृदय द्वार सम खोले चँदा।
साथ निभाते गगन,सितारे,
मधुर मिलन है करता चँदा।
रात रात भर अमृत वर्षा,
शरद पूर्णिमा करता चँदा।
देशी हो या परदेशी चँदा,
हर्षित मन करता है चँदा।

याद आती है वो छुवन
सविता सिंह मीरा

याद आती है वो छुवन,
जब बादल ने धरा को चूमा था,
लहलहा उठी थी धरती,
सिहर सी गयी थी,
जब हवाओं ने उसे छुआ था।
कहने को तो तुम दूर बहुत हो,
पर तुम्हारी यादें
हर पल मुझे छूती जाती हैं,
जैसे कोई अनदेखा स्पर्श
मन के तारों को हिलाता हो।
अंकित है हृदय पर
आज भी वो तुम्हारे
आंखों का स्पर्श।

प्यारी बेटियां
रीति झा

लिखते नहीं हैं ईश्वर ,
सबके नसीबों में
खुशियां।
होता है स्वर्ग घर वो ,
जहां जन्म लेती है
बेटियां।
पलती है गर्भ में जब,
तब से ही सबने कोसा।
देखेगी कैसे दुनिया ,
उसने यही है सोचा।
माँ के हृदय का टुकड़ा ,
पापा की होती परियां।
होता है स्वर्ग घर वो
जहां जन्म लेती है
बेटियां।।
हो जाती जब बड़ी तो,
लोगों से वो है डरती
अपमान होता फिर भी ,
चुपचाप से वो
सहती।
बिन राय जाने उसकी,
सब करते विवाह की
तैयारियां।
होता है स्वर्ग घर वो ,
जहां जन्म लेती है
बेटियां।।
फूलों की पंखुड़ियों सी,
होती कोमलता जिसमें
माँ हृदय के जैसी ,
होती है ममता उसमें।
ले जाती गम बहाकर,
वो है खुशी की नदियां।
होता है स्वर्ग घर वो ,
जहां जन्म लेती है
बेटियां।।
सपने जो बुनती हैं तो,
रखती है ख्याल
सबका।
ख्वाहिश जो रह जाए अधूरी,
कभी करती न मलाल
उसका।
वो नन्ही परी होती,
रोनक बढ़ाती घर की।
चिड़ियों सी चहचाहकर ,
नींदें उड़ाती माँ
की ।
सबका मान रखकर ,
हरपल लुटाती खुशियां।
होता है स्वर्ग घर वो ,
जहां जन्म लेती है
बेटियां।।
सभी बेटियों को समर्पित
बिटिया दिवस की हार्दिक
शुभकामनाएं

सजल
वसंत जमशेदपुरी

पति-पत्नी में हुई लड़ाई, नया नहीं कुछ।
युगों-युगों से होती आई, नया नहीं कुछ।।
शरद द्वार तक आया देखो, काँपा सूरज।
चलो निकालो, रखी रजाई, नया नहीं कुछ।।
एक कुवाँरा शोर मचाए,विरहा गाए।
कुर्सी से कर दो कुड़माई, नया नहीं कुछ।।
लंका दहन हुआ तो रोए, कुछ ऐसे हैं।
नहीं अवध-दुख पड़ा दिखाई, नया नहीं कुछ।।
पीर पराई नहीं समझते, नहीं जानते।
जिनके पाँव न फटी बिवाई, नया नहीं कुछ।।

यहाँ ख्वाहिशों हमेशा दान देना है
पूनम शर्मा स्नेहिल

यहाँ ख्वाहिशों हमेशा दान देना है।
कहो हमें कितना इम्तिहान देना है।।
सपने दे दिए,खुशियां दे दी।
और कहते हो अब बस जान देना है।।
बहुत जी लिए सबकी खुशी के लिए हम।
अब खुद को थोड़ा सम्मान देना है।।
ये मायका ये ससुराल सुन सदियां गुजर गई।
अब खुद को अपना एक मकान देना है।।
नहीं पहचान बनाने अपनी तुम्हारा नाम से।
अपने वजूद को आज एक पहचान देना है।।
कदम जख्मी हो गए इम्तिहान देते देते।
अब खुद को कोई पद आसान देना है।।

मुक्तक
पूनम सिन्हा भावशिखा

शरद की रेशमी ठंडक लुभाए मुझे
तेरी याद अब यूँ हीं रुलाए मुझे ह्व
तुम आओगे अब या फिर ना आओ
मेरी आरजू अबकी बुलाए तूझे
इस जहाँ से उस जहाँ में जाकर देखा, हाथों की लकीर न देखी
यहाँ लगी ढेस वहाँ दर्द मिला पर जख्म की गहराई नहीं देखी
काश! मैंने फकत जख्मो की गहराई जान लिया होता अगर !
इस मर्ज पर दवा का असर कितना हुआ! ये तो मैंने नहीं देखी.
पथिक की चिंता थी की मंजिल जाने कब मिले !
सौदागर के मन में , सही मोल मिले ना मिले !
सबकी अपनी करनी , सबकी अपनी भरनी !!
देने वाला प्रभु , जाने किसे कब, क्या मिले

रेत सी जिंदगी
छाया प्रसाद

मुट्ठी में बंद रेत सी जिंदगी,
फिसलती चली जा रही है।
दुखों के पलों ने,
सुखों के क्षणों ने,
पल-पल बदलते,
खुशियों ने रोका
गमों ने टोका,
फिर भी बेधड़क बेखौफ अनवरत
फिसलते रही,
रेत सी जिंदगी, मुट्ठी में बंद। अनेक
चाहतों ने,
तीव्र इच्छाओं ने,
सख्त की मुट्ठी,
रेत की गति,
तीव्र और तीव्र हो,
फिसलने लगी ,
रेत सी जिंदगी, मुट्ठी में बंद।दिल
धड़कता है,
मुट्ठी कसते हुए,
खोलने से डर लगता है,
जाने कितनी सी है रेत,
बंद मुट्ठी में ।
छोड़ दो भरोसे भगवान के।
रेत सी जिंदगी मुट्ठी में बंद।

गीतिका
बिनोद बेगाना

भावों में खुद्दारी रख।
और कलम से यारी रख।
करो खिलाफत शोषण का-
लिखना पढ़ना जारी रख।
कहीं दिखे अन्याय अगर-
बोल सदा हुंकारी रख।
धन से जो तौले जाओ-
अपना पलड़ा भारी रख।
बेचो नहीं जमीर कभी-
अपनी सोच करारी रख।
करो मित्र की मदद सदा-
इतनी तो दिलदारी रख।
चाल-सोच हो स्वच्छ सुघड़-
मन में मत अय्यारी रख।

पढ़े हिन्द,लिखे हिन्दी
आरती श्रीवास्तव 'विपुला'

पढ़ें हिन्दी लिखे हिंदी गुने हिन्दी कहेंगे हम।
करें उन्नति सदा हिन्दी यही इच्छा रखेंगे हम। ।
बने ये राष्ट्र की भाषा यही चाहत सभी की है।
सदा कोशिश हमारी है इसे चोटी रखेंगे हम।।
बसे सबके दिलों में जो व बिंदी सी सदा चमके।
यही न्यारी लगे हमको तभी आगे बढ़ेंगे हम।।
बनी ये शान है मेरी, यही तो जान है मेरी।
बने भास्कर यही चमके यही चाहत करेंगे हम।।
सभी घर में रहे हिंदी सभी बोले सदा हिंदी।
रहे दीपक बना हिंदी उठा सिर पर चलेगें हम।।
करें हम प्यार हिंदी से सदा अभिमान है हिंदी।
कभी खाई बनी कोई उसे तो मिल भरेंगे हम।।

श्रमजीवी
प्रेमलता ठाकुर

श्रमजीवी विश्वकर्मा के अवतार,
जिसके हाथो से सजता ये संसार,
सभ्यता को देता अपर्यत आकर,
निर्माण संस्कृति उसका जीवनाधार
वो कर्मकार ,जिसकी हथेलियाँ
गढ़ती है ऊंची ऊंची इमारते
अट्टालिकाएं झूलते मेहराब,प्राचीरें
पहाड़ो को चूमती सपीली सड़के,
उसके श्रम की उपादेयता से,
समृद्ध होता वन उपवन,वागबगीचे
खेत-खलिहान ताल नहर,
उसके हाथों से सजता गाँव शहर
समृद्ध होता नगर -महानगर,
वो सँवारता कल- कारखाने
कसता है कल पुर्जे,
विज्ञान का अनुचर वो सहायक
कुशल रचना का वही नायक,
देश को देता समृद्धि का प्रमाण
सुनिश्चित करता नीव का निर्माण,
न शर्म न संकोच,
श्रम ऊर्जा से ओतप्रोत,
आत्मविश्वास का धनी
वो खेलता आग से पानी से
मिट्टी नमी रेत हवा तूफानी से,
सागर को बांध देता सेतु से
भेद देता आसमान केतु से,
उसके श्रम का योगदान
फूँक देता हर कृतियों में प्राण,
क्या जमी क्या आसमान
देता अविश्वसनीय निर्माण का प्रमाण
सूक्ष्म दृष्टि कौशलता और तालमेल
कहीं जगमगाती रौशनी,
कहीं दौड़ाता रेल
तामीर संस्कृति का वो नायक
निर्माण कला का उन्नायक
विराने में फूल खिलाता है,
नया नगर फिर फिर बसाता है,,,,

हिंदी
सुदीप्ता जेठी राउत

हिन्दी है धर्मों का आधार
हिन्दी में हैं सभी संस्कार
हम भूल रहे है क्यू इसे
जिस भाषा से सबको प्यार
भाव अभिव्यक्ति का सहज आधार
इसे यतन से लो कन्ठ में धार
महा कवि किए गुणगान हजार
जिस भाषा से सबको प्यार
हिंदी बने राष्ट्रभाषा यही विचार
अंग्रेजी का करो बहिष्कार
हिंदी भाषी को न समझो गंवार
जिस भाषा से सबको प्यार

मातु विनत वंदना हमारी
पद्मा मिश्रा

हे हंस वाहिनी मातु शारदे .सुनो आज प्रार्थना हमारी
तुम्हे समर्पित ह्रुदयांतर से ,मातु विनत वंदना हमारी,
अक्षर अक्षर बांध लिया है ,भाव-सुमन मुक्ताहारों से,
स्वर वैभव के गीत रचाकर ,सरगम के स्नेहिल तारों से
विश्वासों का दीप जलाये ,मातु सहज कामना हमारी .
मातु विनत वंदना हमारी।
पाँव भटकतेजग-अरण्य में,मन बोझिल और पथ दुर्गम है,
लक्ष्य शिखर को छू पाना भी,शूल वेदना सा निर्मम है,
एक आशा अभिलाष जगाये ,मातु सरल कल्पना हमारी,
मातु विनत वंदना हमारी-।
जीवन के अंधियारे तम में ,पथ मेरा आलोकित कर दो,
आज लेखनी के शब्दों में ,नवल चेतना ,ज्योति-प्रखर दो,
आंसू से भीगे गीतों में ,भाव करुण दो,नूतन-स्वर दो,
अनुरागी मन की कविता में मातु मुखर कामना हमारी
मातु विनत वंदना हमारी।

पूर्वज(मुक्तक)
किरण कुमारी 'वर्तनी'

पूर्वज के सम्मान में, पेड़ लगाओ मित्र।
हरे रंग से भू सजे, भव्य उकेरो चित्र।
रहे सदा ही याद में ,ऐसा हो अब काम।
धरणी को उपवन बना, महके बनकर इत्र ।।
नाता रखते वृक्ष से ,भाता तरुवर छाँव।
कभी न काटे पेड़ को, नहीं अड़ाए पाँव ।
रक्षा करते कीट से ,सेवा करते खूब,
वशीभूत हो प्रेम वश, बदल न पाए ठाँव।।
पूर्वज के पद चिह्न पर ,चलने की रख चाह।
थे बीमारी से दूर वह, हटकर चुनते राह।
जगने वाले भोर में, सादा था आहार ,
जीवन जीते थे सरल, पाते खुशी अथाह।।

प्रेम पर कविताएं
अरुण सज्जन

१

प्रेम एकांगी भी होता है
प्रेम पहाड़ों से
प्रेम पेड़ दरख्तों से
प्रेम नदियों से
कई-कइयों से भी
प्रेम प्रासंगिक होता है
प्रेम एकांगी होता है।
दीवारों से
घर,घरवालों से,
गांव के बरगद से
अपनी सरहद से,
होता है प्रेम,
ये प्रेम पक्का होता है
प्रेम कच्चा नहीं होता है।
अपनी भाषा से,
दुख में
किसी की दिलासा में,
प्रेम का संबंध है
प्रेम निर्बंध है।

२

एक ही चश्में से न देखें प्रेम
प्रेम मां -बाप से,
प्रेम अपने आप से
प्रेम मित्रों से
प्रेम अन्यत्रो से,
प्रेम सहकर्मी से
प्रेम स्नेह धर्मी से
नश्वर नहीं, शाश्वत है
मिथ्या नहीं,
आवश्यक है।
प्रेम
उस पुरुष से
हर उस स्त्री से
हर उस बच्ची से
हर उस लड़की से
उसकी आंखों में
बसने वाली अनुभूति से
जिसमें तड़प है,
ताप है,पकड़ है
प्रेम निश्छल है
प्रेम अविचल है।

गजल
सुधा अग्रवाल

कितनी भी पँक्तियाँ
लिखूँ,पर हर शब्द-शब्द में उभर कर तुम आए,,
कभी गीत,कभी
गजल बन हौले से
तुम गुनगुनाएं,,
कभी हमेशा प्यासी
सिकुड़ी सकुचाई सी,
हथेली की लकीरों के
गलियारे से बेबाँक गुजर गये,,
कभी तुमने दूरियों से
नहीं पूछा कि तन्हाई
का दर्द कैसा होता है?
बेपरवाह से तुम ,गगन
में चन्द्रमा बन शोभित रहे,
मैं धरा की अदना सी कण
बन,अपने शब्दों में तुम्हें
पिरोती रही,और तुम
कल्प वृक्ष बने अटल रहे ।

माता रानी का स्वागत
रीना सिन्हा सलोनी

हाथी घोड़ा और पालकी, माँ को लेने आएँ हैं ।
माता रानी के स्वागत में, हम दरबार सजाएँ हैं ॥
हाथ जोड़ सब भक्त खड़े हैं, अष्टभुजा जल्दी आना।
चरणों में शत शत वंदन है, प्रेम सुधा माँ बरसाना॥
और प्रतीक्षा सहन न होती, बैठे आस लगाए हैं ।
शैलपुत्री हे पाप नाशिनी, कष्ट हरो शेरा वाली।
तुम ही चण्डी तुम ही गौरी, जगदंबा तुम ही काली॥
स्तुति करते हैं देव मनुज सब, दर्शन पा हषाएँ हैं,
शक्ति स्वरूपा वरदायी माँ, विपदा सारी हर लो माँ ।
पाप धरा पर अधिक बढ़ा अब, असुरों का वध कर दो माँ ॥
वरद हस्त मस्तक पर मइया, अभय दान हम पाएँ हैं ।
हाथी घोड़ा और पालकी, माँ को लेने आएँ हैं ।
माता रानी के स्वागत में, हम दरबार सजाएँ हैं ॥

नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएँ
डॉ0 यमुना तिवारी व्यथित

मंगलमय दिन नवरात्रि से
मोदी जी का अनुपम उपाहार,
आवश्यक वस्तुएँ हुई सस्ती
जीएसटी में कटौती से बहार।
खाने पीने की और गृहस्थी की
वस्तुएँ कम कीमतों में मिलेंगे,
छोटी कारें और बाइक भी सस्ते
खरीदार मन खुशी से खिलेंगे।
बुजुर्गों जनों का बहुत ख्याल
दवाइयाँ हुई अति ही सस्ती,
रेस्त्राँ होटलों में इसका असर
साधारण आम जनों की मस्ती।
कामगार दुकानदार सभी संतुष्ट
छोटे उद्योगों को भी भारी राहत,
कम हुआ टैक्स का तो बोझ
चमकी मोदी जन सेवा सियासत।
जीएसटी के उचित वफैसले से
विपक्षी दलों में घोर बौखलाहट,
मंद मिथ्या विपक्ष नैरेटिव शोर
दाव खाली जाने की छटपटाहट।

पितृपक्ष
उषा झा

पितृपक्ष में पितृ सब , आये मेरे द्वार।
स्वागत उन का हम करें, दें जल तिल की धार।।
कुल के रक्षक पितृ है, जाने सभी जहान।
उन के पूजन से करें, अपनों का कल्याण।।
पितृपक्ष में पितृ को, करें जल का तर्पण ।
कागा खाते खीर हैं, उल्टे हाथ अर्पण ।।
पितृ पूजते प्यार से, करते सब को नमन।
तृप्त हो के पितृ सभी, करते हैं आचमन।।
याचक को आशीष दे , खुश रहें खानदान ।
माहाल्या के दिन सभी,पितृ करे प्रस्थान
आज विदाई पितृ की, करें उन्हें प्रणाम।
सब को दे आशीष वो , पहुंचे नीज धाम।

साथ
सुरेश चन्द्र झा

परिवार का संग न छूटे,
नेह बंधन कभी न टूटे
एक दूजे का मान रखें
कोई सम्बन्धों से न रूठे
किस्से कहानियों का होना
आंगन में सिर जोड़ बैठना
आपस की जुगलबंदियों में
सारी शिकायतों का दूर होना
खुशनुमा शामों में छत पर
दुनियाँ भर की कुछ बातों पर
बरबस हँसना और मुस्कुराना
जहाँ न होता कोई अगर-मगर
आँगन में जलते अलाव के पास
अंत्याक्षरी के शब्द थे आसपास
वाकयुद्ध पर लग जाता विराम
चाय पकौडे जब आ जाते पास
न कोई द्वेष,न कोई वैर का भाव
मन थे खुले कहीं न होता छिपाव
स्नेह प्यार आदर थे मन के बंधन
कहीं न था स्वार्थ न था कोई दुराव
शामें अब भी आती सुरमई रंगों में
पर मन न डोलता कभी तरंगों में
अपनेपन को लिए सम्बन्धों से परे
अब रहते अकेलेपन के दलदलों में

राधे कृष्ण मुरारी
शशि प्रकाश सिन्हा 'सेवी'

राधा जैसे तैसे संवर घबरायें
दुविधा देखते कृष्ण समझाये
राधे हमें अनुपम हृदय सुहाये
अंतर्मन मंदिर हीं मोह जगाये
भव्य हृदय कान्हा का रिझता
तोरणद्वार अलौकिक खिलता
जड़े चंद्रतारे चमकीले दिखता
विमल कमल राधे सर जंचता
कृष्ण राधा दूजे सों हितकारी
दोनों के दोनों ने थे दिल हारी
राधे हठी समर्पित प्रेमपुजारी
राधा प्रेम वश हैं कृष्ण मुरारी
मंदिर प्रांगण जा दिल धड़का
छुपे कृष्ण राधा दिल फड़का
अनोखे लय बजें जीया हरसे
तनमन कला नृत्य हँसी बरसे
नटखट ने ठट्ठा में वस्त्र चुराई
गोपियों पे भारी आफत आई
सुधि उड़े नयनों से अश्रु बरसे
कृष्ण बचाना रे गोपीयाँ तरसें
गोपियाँ लिए नेत्रों नीर पुकारें
नहीं सता हे श्याम अति प्यारे
वस्त्र बिन सखियाँ बँधी हुईं हैं
कृपा पात्री पलकें झुकी हुईं हैं
कानों हुसफुस हौले मैत्री घोलें
सखियाँ मिलजुल निर्णय तोलें
अधम लीला ना तनिक सुहाये
हुये बैरी कृष्ण समझ ना आये

पितृपक्ष
प्रतिभा प्रसाद 'कुमकुम'

नित गृहणी की दक्षता , गृह स्वामी आदेश ।
भोजन देती काग को , देखो भारत देश ।।
कौआ भी आता रहे , लेने अपना अंश ।
वाहन है शनिदेव का , ले भोजन कुलवंश ।।
ले भोजन कुलवंश से , पहुँचाता संदेश ।
देवों में शनिदेव ही , दें ध्यान देश विदेश ।।
न्याय देव शनिराज हैं , लेखा जोखा धर्म ।
कर्म धर्म ही गेह है , सिखलाता है मर्म ।।
कभी नहीं जब चूक हो , मरने पर हैं बुद्ध ।
है पंद्रह दिन वर्ष में, दान कर्म से शुद्ध ।।
श्राद्धकर्म पितृपक्ष में , करना है जरूर ।
यही सनातन धर्म है , कभी न रहना दूर ।।
पितरों के हित में सदा , हैं तत्पर तैयार ।
दान धर्म में कर्म से , मान रखें परिवार ।।
कंठी पंद्रह दिन रहे , शुद्धी शाकाहार ।
जल तिल यूँ अर्पण करें , तर्पण हो व्यवहार ।।
श्वेत वस्त्र धारण करें , अर्पण तर्पण कर्म ।
श्राद्धकर्म हो शुद्ध मन , पितर तृप्ति हो धर्म ।।
मनसा वाचा कर्मणा , पितरों को प्रणाम ।
तर्पण जल तिल से सदा , नहीं कोई विराम ।।
पितर से वरदान मिले , यही कामना आज ।
सदा गीत में नेह से , सिंचित मन का साज ।।

राम को आना होगा
ब्रजेन्द्र नाथ मिश्र

जब -जब रावण की शक्ति बढ़ेगी,
राम को आना होगा।
आकाश के नक्षत्रों को मिलकर
विषम - काल सुलझाना होगा।
जब जब सनातन सभ्यता,
पर संकट - सा छायेगा।
जब जब ताड़का, मारीच
और सुबाहू विध्वंश मचाएगा।
तब - तब अपने अंश सहित
राम को आना होगा।
राम को आना होगा।।
जब - जब नारी सन्देहों
में घिर शापित होती रहेगी।
जब - जब मूक शिला बनकर
निरानंदित - सी जीती रहेगी।
अपने चरणों के रजकण से
उनका उद्धार कराना होगा।
राम को आना होगा।
राम को आना होगा।।
जब - जब संस्कृति के पोषक
का अस्थि - समूह बन जायेगा।
जब - जब सभ्यता कराहेगी,
मानव असहाय बन जायेगा।
तब भुजा उठा प्रण कर
अरि- व्यूहों को ढहाना होगा।
राम को आना होगा।
राम को आना होगा।।
जब पाप और अनाचार का
राक्षस निर्बाध यूँ घूमेगा।
जब - जब ताकत के मद
में पागल हाथी - सा झूमेगा।
गांडीव उठा, कर संधान
जग को त्राण दिलाना होगा।
राम को आना होगा।
राम को आना होगा।।
राम इस धरा पर कभी
मानव का रूप नहीं लेंगे।
राम अब दसरथ नंदन बन,
कभी भी लीला नहीं करेंगे।
अब राम - भक्तों को जुटकर,
अंदर का राम जगाना होगा
हृदय में बस जाना होगा।
राम को आना होगा।
राम को आना होगा।।
रावण तभी जलेगा जब
हमारा अहंकार मिट जाएगा।
रावण तभी मिटेगा जब,
मोह, मत्सर नहीं सताएगा।
राम भक्त बनने के लिए
मन शुद्ध बुद्ध बनाना होगा।
अंतर का राम जगाना होगा।
राम को आना होगा।
राम को आना होगा।।

कत'आ
लखन विक्रांत

कहाँ से चलकर कहाँ पे पहुँचे
कहाँ पहुँचना है और आगे!!
जमीं से तो फैले आसमां तक
मगर निकलना है और आगे!!
वो फन कहाँ है, हुनर कहाँ वो
ये इल्म देंगी हमें किताबें
जो मिल भी जाएँ वो खुल्दो-दोजख
हमें गुजरना है और आगे!!

सीता की मुक्ति
आनन्द बाला शर्मा

अमावस्या की काली अँधेरी रात
सागर तट पर निश्चल बैठे थे राम
चल रहा था मन में घोर झंझावात
अंतर्द्वंद्व से घिरे, विचलित थे राम
आदिशक्ति को रावण के साथ देखकर
वह साथ सत्य के, लंकेश असत्य के पक्षधर
संशय था मन में विजय को लेकर
राम ने कही व्यथा नैनों में अश्रु भरकर
मुक्त होगी सीता चंगुल से रावण के?
जसवंत ने राह सुझाई, लक्ष्मण ने कमान संभाली
विजयपथ में राम ने की शक्ति की भक्ति
करूँ अर्पित शत अष्टकमल, पूरी हो आराधना
परीक्षा लेने माँ ने किया लुप्त एक कमल
अधीर हो उठे राम, कैसे पूरी होगी अर्चना
याद आया तभी, माँ कहती थी उन्हें कमल नयन
अपना एक नेत्र कमल करना चाहा माँ को अर्पित
हो प्रसन्न माँ ने दिया विजय का वरदान
विजय श्री मिली राम को, हुई जय जय कार
शक्ति की कृपा से हुए धराशायी लंकेश्वर
अधर्म पर हुई जीत धर्म की, मिली सीता को मुक्ति।